हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 21, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 12 जुलाई, 2022 दिन मंगलवार | गाजीपुर/वाराणसी

सहकारी चीनी मिलें लाभ में आईं तो किसानों को देंगे बोनस : योगी

मुख्यमंत्री ने 50.10 लाख गन्ना किसानों को अंशधारक प्रमाणपत्र किया वितरित

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के 50.10 लाख गन्ना किसानों को अंशधारक प्रमाणपत्र (शेयर सर्टिफिकेट) वितरित किया। इसके तहत प्रदेश के 40 जिलों की 168 सहकारी गन्ना विकास समितियों और 24 सहकारी चीनी मिल समितियों से आने वाले गन्ना किसानों को प्रमाणपत्र दिया गया। यह पहली बार है जब गन्ना किसानों को अंशधारक प्रमाण पत्र वितरित किया जा रहा है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सहकारी चीनी मिलें जब लाभ में आएंगी तो किसानों को उसका बोनस भी दिया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि किसानों को नए सत्र के शुभारंभ से पहले गन्ना के बकाये का शत प्रतिशत भुगतान कर दिया जाएगा। सरकार किसानों के लिए बड़ा कार्यक्रम शुरू करने जा रही है। अब किसानों को पराली नहीं जलानी पड़ेगी और बायोफ्यूल से जुड़ी इकाइयां उनके घर से पराली खरीद लेंगी। इससे सीएनजी बनेगा और डीजल पेट्रोल पर निर्भरता कम होगी। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार किसानों के साथ खड़ी है। उत्तराखंड का बजट 61000 करोड़ है लेकिन हमने 177000 करोड रुपए का किसानों को गन्ना भुगतान किया। सरकार अब विविधीकरण व प्राकृतिक खेती पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को सस्ता ईंधन मिले यही हमारी मंशा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता में हैं। पहले की सरकारें अनिर्णय की शिकार थीं और जो भी निर्णय

लिए जाते थे वो उनके अपने हितों वाले होते थे। किसानों का हित उसमें शामिल नहीं था। हम लगातार किसानों के लिए काम कर रहे हैं। किसानों की खुशहाली हमारी लक्ष्य है। किसानों के लिए हर तरह की सुविधा देने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने गन्ना के बकाया भुगतान पर कहा कि हमारी कोशिश है कि नया सत्र प्रारंभ होने से पहले भुगतान कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि हम गन्ना किसानों के लिए नई तकनीक अपनाने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने अब तक 1.77 हजार करोड़ रुपये गन्ना किसानों का भुगतान किया। किसानों का हक कोई न मार सके इसलिए ई-पर्ची व्यवस्था का प्रयोग किया जा रहा है। हमारी सरकार ने गन्ना माफियाओं की कमर तोड़ दी है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम गन्ने की खेती को बेहतर करने के लिए काम कर रहे हैं। किसानों को अच्छे बीच उपलब्ध करवा रहे हैं। किसानों को भी तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए। हमारी कोशिश है कि समय से किसानों को भुगतान हो। उन्हें उन्नत बीज मिलें और उनकी फसल पर उन्हें लाभ मिले।

देश और समाज के विकास में सबसे बड़ा अवरोध जनसंख्या वृद्धि, समाज में व्याप्त असंतुलनों का कारक : सीएम योगी

लखनऊ। विश्व जनसंख्या दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद थे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने हरी झंडी दिखाकर जनसंख्या स्थिरता पखावाड़े का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि उत्तर प्रदेश ने मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में पहले की तुलना में अपने रिकार्ड को काफी अच्छा किया है। उन्होंने कहा कि हमको इस सफलता पर खुश होने की जरूरत नहीं है। हमें इसको और भी बेहतर करने की जरूरत है। सरकार ने स्वास्थ्य के साथ ही बाल तथा महिला कल्याण विभाग को काफी समृद्ध किया है। बच्चों तथा माता को भी पुष्टाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही हम जनसंख्या को स्थिर करने के भी बड़े अभियान में तेजी से लगे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने मस्तिष्क ज्वर से होने वाली मौतों को 95% नियंत्रित करने में सफलता प्राप्त की है। सबसे बड़ी आबादी का प्रदेश होने के बावजूद उत्तर प्रदेश ने कोरोना प्रबंधन का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया है। जनसंख्या नियंत्रण में आशा बहनें, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत समिति समेत अन्य प्रतिनिधिगण, शिक्षकगण इस कार्यक्रम को स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर और बेहतरीन तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं।

ईडी ने सोनिया गांधी को फिर भेजा समन, 21 जुलाई को पेश होने को कहा

नई दिल्ली। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को प्रवर्तन निदेशालय ने फिर से समन किया है। ईडी ने नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र से जुड़े कथित धनशोधन के एक मामले में सोनिया गांधी को 21 जुलाई को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। इससे पहले सोनिया गांधी ने ईडी से पूछताछ को लेकर पेश होने के लिए कुछ और दिनों की मोहलत मांगी थी। बताया गया था कि कोरोना से जूझ रहीं सोनिया गांधी को डॉक्टरों ने आराम करने की सलाह दी है, जिसके कारण वह कुछ सप्ताह तक ईडी से समक्ष पेश नहीं हो पाएंगी। ईडी ने उनके अनुरोध को स्वीकार भी कर लिया था। ईडी ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से कहा था कि वह धनशोधन के मामले में जुलाई महीने के आखिरी में किसी समय जांच एजेंसी के समक्ष पेश होकर अपना बयान दर्ज कराएं। इस मामले में राहुल गांधी से पांच दिन में करीब 50 घंटे की पूछताछ हो चुकी है। इस दौरान धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनके बयान दर्ज किए गए थे।

संसद की नई इमारत की छत पर बना 6.5 मीटर का अशोक स्तंभ, पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली। संसद भवन की नई इमारत की छत पर 6.5 मीटर ऊंचा अशोक स्तंभ बनाया गया है। सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया। इस मौके पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला समेत कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद थे। यह अशोक स्तंभ कांसे का बना हुआ है और यह दूर से ही दिखाई देगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने अशोक स्तंभ के उद्घाटन के मौके पर संसद भवन की नई इमारत बनाने में लगे श्रमिकों से भी बातचीत की। इस मौके पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश राय और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद थे। अशोक स्तंभ के उद्घाटन के बाद पीएम नरेंद्र मोदी उसके समीप खड़े होकर तस्वीर खिंचवाते हुए भी नजर आए।

अशोक स्तंभ के उद्घाटन के बाद पीएम नरेंद्र मोदी उसके समीप खड़े होकर तस्वीर खिंचवाते हुए भी नजर आए। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस अशोक स्तंभ को बनाने में 9 महीने का वक्त लगा है। अधिकारी ने बताया कि इसका ढांचा 9,500 किलोग्राम का है और 4.4 मीटर चौड़ा है। इसे संसद भवन की नई इमारत की छत के बीचों-बीच लगाया गया है। इसके अलावा सपोर्ट के लिए स्टील का एक 6500 किलो का स्ट्रक्चर भी तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि इस स्तंभ के निर्माण में कुल 8 चरणों में काम हुआ। कॉन्सेप्ट स्केच, क्ले मॉडलिंग और कंप्यूटर ग्राफिक समेत कुल 8 राउंड में इसे तैयार किया गया है। अशोक स्तंभ को कुल 150 हिस्सों में तैयार किया गया था। इन्हें छत पर ले जाने के बाद असेंबल किया गया और फिर लगाया गया। अप्रैल के अंत में इनकी असेंबलिंग का काम शुरू किया गया था। इसमें करीब दो महीने का वक्त लगा है। बता दें कि नए संसद भवन की इमारत पर भी तेजी से काम चल रहा है। इसमें कई ऐसी चीजें हैं, जो पिछली इमारत से अलग होंगी। नए संसद भवन की डिजाइन में भारतीय वास्तु कला का भी विशेष ध्यान रखा गया है।

नए संसद भवन पर अशोक स्तंभ का अनावरण पीएम नहीं कर सकते, स्पीकर इसके हकदार : ओवैसी

नई दिल्ली। एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा नए संसद लोकसभा भवन के ऊपर अशोक स्तंभ के अनावरण पर आपत्ति जताई है। ओवैसी ने ट्वीट कर कहा कि यह अधिकार लोकसभा स्पीकर का है। ओवैसी ने कहा कि संविधान में संसद, सरकार और न्यायपालिका की शक्तियों को अलग अलग दर्शाया गया है। सरकार के प्रमुख के रूप में पीएम मोदी को नए संसद भवन के ऊपर राष्ट्रीय प्रतीक का अनावरण नहीं करना चाहिए था। यह लोकसभा स्पीकर के अधिकार क्षेत्र में आता है। स्पीकर सरकार के अधीन नहीं हैं। ओवैसी ने आरोप लगाया कि पीएम ने सभी संवैधानिक मानदंडों का उल्लंघन किया है। ओवैसी ने कहा कि पीएम मोदी सरकार के मुखिया हैं, लोकसभा के नहीं। इसलिए उन्हें यह अनावरण नहीं करना था। पीएम मोदी ने सोमवार को नए संसद भवन की छत पर बने राष्ट्रीय प्रतीक चिंह अशोक स्तंभ का अनावरण किया। अधिकारियों ने बताया कि कांस्य का बना यह प्रतीक चिंह 9,500 किलोग्राम वजनी है और इसकी ऊंचाई 6.5 मीटर है।

विजय माल्या को सुप्रीम कोर्ट ने सुनाई 4 महीने की सजा, महीने भर में जमा करवानी होगी 4 करोड़ डालर से अधिक रकम

नई दिल्ली। भगोड़े कारोबारी विजय माल्या के खिलाफ अवमानना मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सजा सुना दी। इसके तहत माल्या को चार महीने

की जेल और 2000 रुपये का जुमार्ना भरना होगा।

साथ ही कोर्ट ने माल्या से 8 फीसद ब्याज के साथ 4 करोड़ (40 मिलियन) डालर की रकम चार सप्ताह के भीतर जमा करने का आदेश भी दिया है। मामले की सुनवाई जस्टिस यूयू ललित, रवींद्र एस भट और पीएस नरसिम्हा की बेंच ने की। बीते 10 मार्च को इस मामले पर कोर्ट ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा था कि माल्या के खिलाफ सुनवाई में अब कोई प्रगति नहीं हो सकती। कोर्ट ने 2017 के फैसले पर पुनर्विचार के लिए माल्या द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका 2020 में खारिज कर दी थी।

माल्या के वकील ने 10 मार्च को कहा था कि ब्रिटेन में रह रहे उनके मुवक्किल से कोई निर्देश नहीं मिल सका है इसलिए वह पंगु हैं और अवमानना के मामले में दी जाने वाली सजा की अवधि को लेकर उनका (माल्या का) पक्ष रख पाने में असहाय हैं। 9 मई 2017 को सुप्रीम कोर्ट ने विजय माल्या को कोर्ट के आदेश की अवमानना का दोषी पाया था। भगोड़े कारोबारी विजय माल्या को 2017 में कोर्ट के आदेश की अवमानना करते हुए अपने बच्चों को चार करोड़ डालर ट्रांसफर करने का आरोप है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्टेट बैंक आफ इंडिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए फंड ट्रांसफर पर रोक लगाई थी। अवमानना के मामले की सुनवाई कर रही सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने 10 मार्च को अपना फैसला सुरक्षित रखा था। वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता ने मामले में पीठ की सहायता करते हुए कहा था कि माल्या को दो मामलों में दोषी ठहराया था।

अबू सलेम को नहीं मिली राहत, 25 साल बाद 2030 में ही होगी रिहाई, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 1993 मुंबई विस्फोट मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने पुर्तगाल के का जिक्र किया और कहा कि 25 साल की सजा पूरी होने के बाद गैंगस्टर अबू सलेम की रिहाई करनी होगी। अबू सलेम ने कोर्ट से 2027 में ही रिहाई की मांग की थी जिससे सुप्रीम कोर्ट ने इंकार कर दिया। बता दें कि सलेम पुर्तगाल में तीन साल की सजा काट चुका चुका है। भारत में 25 साल की सजा की अवधि 10 नवंबर 2030 को समाप्त होगी। जस्टिस एस के कौल और जस्टिस एम एम सुंदरेश की बेंच ने आज यह फैसला दिया। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पांच मई को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अबू सलेम ने पुर्तगाल में काटी गई तीन साल की सजा का जिक्र करते हुए साल 2027 में ही रिहाई की अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'उम्र कैद का फैसला देने वाली कोर्ट प्रत्यर्पण के समय सरकार की तरफ से दूसरे देश को किए गए वादे से बंधी नहीं है। पुर्तगाल में हिरासत के 3 साल सजा का हिस्सा नहीं है। 2005 में प्रत्यर्पण हुआ है और भारत में 25 साल की सजा काटने के बाद ही सरकार निर्णय लेगी। साल 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकों के दोषी अबू सलेम को 11 नवंबर, 2005 को पुर्तगाल से प्रत्यर्पित किया गया था। जून 2017 में सलेम को दोषी ठहराया गया और बाद में उम्रकैद की सजा सुनाई गई। 12 मार्च, 1993 को महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में सिलसिलेवार 12 धमाके हुए थे जिसमें 257 लोगों की मौत हो गई थी और 7 सौ से अधिक लोग घायल थे। बता दें कि सलेम ने पुर्तगाल से प्रत्यर्पण के समय भारत सरकार की ओर से दिए गए आश्वासन को आधार बनाया है। गृह सचिव ने बताया था कि नियमों का पालन न करने के बारे में अबू सलेम का तर्क समय से पहले और काल्पनिक अनुमानों पर आधारित है।

हरियाणा, यूपी और राजस्थान समेत देश के कई हिस्सों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार दोपहर को कुछ हिस्सों में हुई भारी बारिश से दिल्लीवासियों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। दिल्ली में दोपहर को आईटीओ, इंडिया गेट और विजय चौक समेत कई क्षेत्रों में भारी बारिश हुई। दिल्ली-एनसीआर में हुई बारिश के साथ ही मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश के चलते गुजरात और तेलंगाना में स्कूल कालेज बंद कर दिए गए हैं। तेलंगाना में भारी बारिश के बीच राज्य के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने 11 जुलाई से शैक्षणिक संस्थानों के लिए तीन दिन की छुट्टी की घोषणा की है। इसके अलावा गुजरात के अहमदाबाद में स्कूल और कालेज सोमवार को बंद कर दिए गए हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने 11 जुलाई को कर्नाटक के कई इलाकों में बारिश की चेतावनी जारी की थी। शनिवार को दक्षिण-पश्चिम मानसून अपने आगमन की सामान्य तिथि से दो दिन बाद महाराष्ट्र पहुंचा, जो राज्य के मध्य भागों और कोंकण क्षेत्र को कवर करता है। तेलंगाना में अगले 4 से 5 दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि एनडीआरएफ की टीमें और सरकारी तंत्र किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं। सीएम ने निर्देश दिए कि पुराने व जर्जर भवनों से लोगों को विस्थापित किया जाए। उन्होंने कलेक्टरों को निर्देश दिए कि सभी विभागों के साथ तालमेल बनाकर काम करें और किसी भी तरह की अप्रिय घटना न हो यह सुनिश्चित करें। एक अन्य आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टरों को हाई अलर्ट पर रहना चाहिए और जान-माल की हानि, या किसी भी संपत्ति को नुकसान को रोकने के लिए उचित कदम उठाने चाहिए। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी को लेकर मौसम एजेंसियों ने उत्तरी दिल्ली, उत्तर-पश्चिम दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली में और बारिश की भविष्यवाणी की है।

गुजरात में बाढ़ से बेकाबू हुए हालात, अब तक 61 की मौत; पीएम मोदी ने केंद्र से भेजी टीमें

अहमदाबाद। गुजरात में भारी बारिश और कई जिलों में बाढ़ से बिगड़ते हालातों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीएम भूपेंद्र पटेल से फोन पर बात की। गुजरात सीएम कार्यालय द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य में भारी बारिश से पैदा हुई गंभीर स्थिति के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री पटेल ने पीएम मोदी को पिछले 48 घंटों में राज्य की स्थिति के बारे में बारे में पूरी जानकारी दी। सीएम कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ सहित सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। वहीं अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण और मध्य गुजरात के जिलों में बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। इसके चलते निचले इलाकों में पानी भर गया है। इन क्षेत्रों से करीब 1,500 लोगों को निकाला गया है। वहीं मौसम विभाग ने दक्षिण गुजरात के डांग, नवसारी और वलसाड जिलों में अगले पांच दिनों में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो छोटा उदयपुर में बोडेली तालुका में रविवार को शाम 6 बजे तक सिर्फ 12 घंटों में 433 मिमी बारिश हुई, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ आ गई। गुजरात में पिछले 48 घंटो से हो रही बारिश से हालात भयावह होते जा रहे हैं। छोटा उदयपुर और नर्मदा जिले में नदियां उफान पर हैं। गुजरात के नवसारी और वलसाड जिले में 700 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं, छोटा उदयपुर जिले में लगातार भारी बारिश से पुल का एक हिस्सा गिर गया। जबकि गुजरात के तापी जिले के पांचोल और कुम्भिया गांवों को जोड़ने वाला पुल बारिश की धार में बह गया। वहीं दक्षिण गुजरात के कई हिस्सों में नदियां खतरनाक स्तर को पार कर चुकी हैं इस कारण निचले इलाकों में पानी भर गया है।

उद्धव ठाकरे को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत, अदालत ने विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने से स्पीकर को रोका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आज महाराष्ट्र से जुड़े मामलों की सुनवाई हुई। कोर्ट ने उद्धव ठाकरे को राहत देते हुए विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने से स्पीकर को रोका है। महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर विधायकों की अयोग्यता के मामले में फिलहाल सुनवाई नहीं करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने मामला कोर्ट में लगने तक स्पीकर को इस मामले में सुनवाई न करने को कहा है। उद्धव ठाकरे गुट ने कोर्ट में सुनवाई होने तक स्पीकर की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी। विधायकों की अयोग्यता को लेकर दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए सीजेआई एनवी रमना ने कहा कि विधायकों की अयोग्यता पर फिलहाल स्पीकर फैसला नहीं लेंगे। अदालत के फैसले तक विधायकों की अयोग्यता पर स्पीकर की कार्यवाही को रोक रहेगी। सुप्रीम कोर्ट फिलहाल महाराष्ट्र मामले की तुरंत सुनवाई नहीं करेगा। सीजेआई ने कहा कि इसके लिए बेंच का गठन करना होगा। मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी के बाद उद्धव गुट की ओर से वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी, कि 39 विधायकों की अयोग्यता के मामले पर सुनवाई को सुप्रीम कोर्ट ने 27 जून के बदले 11 जुलाई को कहने को कहा था। सीजेआई ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष

को सूचित करें कि विधायकों के खिलाफ कोई कार्रवाई या सुनवाई अभी न करें। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने तक इसे स्थगित रखा जाए। इधर, राज्यपाल की ओर से तुषार मेहता ने दलील रखी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को भरोसा दिया कि वो विधानसभा अध्यक्ष को इसकी जानकारी दे देंगे। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने दोनों गुटों के विधायकों पर अयोग्यता की कार्यवाही पर रोक लगाया है। महाराष्ट्र विधानसभा के प्रधान सचिव राजेंद्र भागवत ने सुप्रीम कोर्ट में जवाब दाखिल किया है। जवाब में कहा कि 3 जुलाई को राहुल नार्वेकर को विधानसभा अध्यक्ष चुना गया है। अब उन्हें अयोग्यता का मसला देखना है। ऐसे में डिप्टी स्पीकर की तरफ से भेजे नोटिस को चुनौती देने वाली विधायकों की याचिका का सुप्रीम कोर्ट निपटारा कर दे और नए स्पीकर को अयोग्यता पर फैसला करने दें। उधर, महाराष्ट्र विधानसभा सचिवालय ने राज्य के कुल 55 शिवसेना विधायकों में से 53 को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इनमें से 39 विधायक एकनाथ शिंदे के खेमे के और 14 विधायक उद्धव ठाकरे गुट के हैं। ठाकरे खेमे के 14 विधायकों में से एक संतोष बांगर चार जुलाई को सरकार के शक्ति परीक्षण के दिन शिंदे खेमे में शामिल हो गए थे। दोनों पक्षों के विधायकों ने कारण बताओ नोटिस मिलने की पुष्टि की।

सरयू नहर में नहाते समय दो युवकों की डूबकर मौत

पचपेड़वा (बलरामपुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम जुड़ीकुईया निवासी दो युवकों की गांव के उत्तर से बह रही सरयू नहर में नहाते समय डूबकर मौत हो गई। दोनों युवक गर्मी अधिक होने के कारण दोस्तों के साथ नहर में नहाने गए थे। पुलिस ने परिजनों व ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद शव नहर से बाहर निकाला। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक युवकों के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार जुड़ी कुइयां निवासी फैजान सिद्दीकी (25) और मुस्ताक मंसूरी (22) सोमवार सुबह अपने कुछ दोस्तों के साथ गांव के उत्तर-पश्चिम स्थित जगदीशपुर के निकट स्थित सरयू नहर में नहाने गए थे। नहाते समय अचानक दोनों युवक गहरे पानी में उतरकर डूब गए। दोस्तों ने घटना की सूचना आसपास के लोगों तथा परिजनों को दी। मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई। इस बीच प्रभारी निरीक्षक आलोक राव भी दलबल के साथ मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों तथा स्थानीय गोताखोरों की मदद से घंटे कड़ी मशक्कत कर दोनों युवकों का शव नहर से बाहर निकाला गया। युवकों की मौत से उनके परिजनों तथा गांव में

मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। लोगों का कहना है कि नई बनी सरयू नहर काफी गहरी है। क्षेत्र के तमाम युवक अक्सर नहर में नहाने का प्रयास करते हैं। ग्रामीणों ने सिंचाई विभाग से नहर के आसपास सचेतक बोर्ड लगाए जाने की मांग की है ताकि लोग नहर में नहाने व अन्य कार्य के लिए न उतरें। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

संपादकीय

फूटता गुस्सा

श्रीलंका में जनता का गुस्सा अचानक नहीं फूटा। आर्थिक संकट से जूझते देश में जिस तरह की राजनीतिक अस्थिरता भी बनी हुई है, उसमें आज नहीं तो कल यह होना ही था। गुस्साई भीड़ जिस तरह से राष्ट्रपति निवास में घुस गई, उससे साफ है कि जनता अब उन नेताओं को बर्दाश्त नहीं करने वाली जिन पर से उसका भरोसा खत्म हो चुका है। जनता ने बड़े भरोसे और उम्मीदों के साथ एक दशक तक जिस सरकार को सत्ता सौंप रखी थी, आज वह उन्हीं के घर फूंकने पर वह उतारू हो गई है। इतना बड़ा कांड अचानक नहीं हो सकता। इसके पीछे काफी पहले से और कई कारण देखे जा सकते हैं। अब यह कहने में किसी को हिचक नहीं हो सकती कि ऐसी नौबत इसलिए आई, क्योंकि राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे पद छोड़ने को तैयार नहीं थे। न ही वे देश की आर्थिक और राजनीतिक समस्याओं का हल निकाल पा रहे थे। गौरतलब है कि दो महीने पहले प्रदर्शनकारियों ने तब के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे, जो राष्ट्रपति के सगे बड़े भाई हैं, के घर में घुस कर उसे भी आग के हवाले कर दिया था। इस घटना के बाद महिंदा राजपक्षे ने इस्तीफा दे दिया था और चुपचाप भाग निकले थे। अब वही हाल गोटबाया राजपक्षे का हुआ। ऐसी खबरे हैं कि वे भी देश से भाग गए हैं। इधर प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे भी इस्तीफा दे चुके हैं। कहा जा सकता है कि जनता ने बिगुल बजा दिया है। लंबे समय से कंगाली झेल रहे इस प्रायद्वीप में आज लाखों लोग सड़कों पर हैं। इनमें आमजन के अलावा वकील, पुलिसकर्मी, सरकारी कर्मचारी, रेल कर्मचारी, शिक्षक, स्वास्थ्यकर्मी आदि सब शामिल हैं। सबकी एक ही मांग रही कि राष्ट्रपति सहित मौजूदा सरकार हटे और ऐसी सरकार बने जो देश को आर्थिक संकट से निकाल सके। अब यह तो साफ हो गया है कि कार्यवाहक राष्ट्रपति और अंतरिम सरकार ही इस देश का भविष्य तय करेंगे। दरअसल, श्रीलंका जिस विकट परिस्थिति से गुजर रहा है, उसका तात्कालिक समाधान किसी के पास नहीं दिखता। नई सरकार किसी की भी बने या सर्वदलीय ही क्यों न हो, उसके सामने पहली चुनौती देश को आर्थिक संकट से उबारने की होगी। हालात ऐसे हो गए हैं कि चाहे कुछ भी कर लिया जाए, श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में सालों लग जाएंगे। श्रीलंका की ऐसी दुर्गति के पीछे एक और बड़ा कारण अंदरूनी भ्रष्टाचार भी माना जा रहा है। उन हालात में भी लगातार एक दशक तक राजपक्षे परिवार सत्ता पर काबिज रहा। पहले महिंदा राजपक्षे राष्ट्रपति थे और गोटबाया राजपक्षे रक्षा मामलों के प्रमुख थे। फिर गोटबाया राजपक्षे राष्ट्रपति बन गए और महिंदा राजपक्षे प्रधानमंत्री। इनके एक और भाई सरकार में वित्त मंत्री थे। महिंदा राजपक्षे का एक बेटा भी सरकार में काबीना मंत्री था। राजपक्षे खानदान शुरू से चीन समर्थक रहा। बड़े कारोबारी और वित्तीय निर्णय भी चीन को लाभ पहुंचाने वाले रहे। इसके बदले चीन श्रीलंका को भारी कर्ज देता रहा। आज श्रीलंका चीन के कर्ज में दबा पड़ा है। देश का खजाना खाली है। जनता के पास ईंधन, दवाइयां और खाद्य सामग्री खरीदने तक के लिए पैसे नहीं है। आबादी का बड़ा हिस्सा दो-दो दिन भूखे रहने को मजबूर है। स्कूल-कालेज, बिजलीघर और रेल बंद हैं। ऐसे में लोगों का डर और बेचैनी वाजिब है, क्योंकि देश में अब भुखमरी और लूटपाट जैसे संकट सामने हैं। ऐसे में जनता का रुख बता रहा है कि वह लंबे समय तक कुशासन बर्दाश्त नहीं करेगी।

छोड़ रहे क्यों लोग ?

होगा करना चिंतन ।
छोड़ रहे क्यों लोग ?
समय और ऊर्जा का ।
ना सही उपयोग ।।
कर सकते ना खारिज ।
ले सकते ना चैन ।।
छोड़ रहे जो पार्टी ।
है मिलाना नैन ।।
हल्के में ना लेना ।
बात है गंभीर ।।
बैठ कर ना केवल ।
बन सकते हैं वीर ।।
है जाकर अब तह में ।
निकालना है हल ।।
अंधकारमय दिखता ।
आने वाला कल ।।

–कृष्णेन्द्र राय

बेरोजगारी, भुखमरी, अशिक्षा रूपी समस्याओं से छुटकारा सहित भविष्य के अवसर, अधिकार और विकल्प सुनिश्चित करने को जनसंख्या नियंत्रण जरूरी

वैश्विक स्तरपर आज उपलब्ध सभी संसाधनों में मानव संसाधन एक शक्तिशाली ताकत बनकर उभरा है क्योंकि यह मानव , की ही एक क्षमता का परिणाम है कि आज मानव चांद पर घर बनाने की ओर अग्रसर हो चला है!! एक नए डिजिटल युग के आगमन का सूचक भी मानव बौद्धिक क्षमता ही है और आधुनिक सुविधाओं से सारे विश्व को अनेक उपलब्धियों से साकार करने वाला भी मानव बुद्धिजीवी जीव ही है!! परंतु बड़े बुजुर्गों की कहावत है रजाई पानी में जितनी भीगेगी उतनी भारी होगी, अति का अंत सुनिश्चित है, किसी भी अवसर की अति होना हानिकारक होती है इत्यादि अनेक कहावतें मुहावरे हम सुनतेहैं जो जनसंख्या या मानवीय संसाधनों पर भी सटीक बैठते हैं। याने जनसंख्या वृद्धि दूसरे शब्दों में मानवीय संसाधनों में वृद्धि भी टकराव, हानि और विपरीत परिस्थितियों का घोतक बन सकती है और किसी भी राष्ट्र के हर क्षेत्र की सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकती है क्योंकि प्राकृतिक संसाधनों की सीमा तो निश्चित होती है परंतु मानव निर्मित संसाधनों की भी सीमा निश्चित है यदि अति हो गई तो अंत की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता इसलिए आज हम विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई 2022 के उपलक्ष्य में इस आर्टिकल के माध्यम से इसके दुष्परिणामों पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हमर विश्व जनसंख्या दिवस हर साल एक थींम के साथ मनाने की करें तो, जैसे कि कुल विश्व जनसंख्या 8 मिलियन का आंकड़ा पार करने वाली है, विश्व जनसंख्या दिवस 2022 का विषय है '8 बिलियन की दुनियाः सभी के लिए एक लचीले भविष्य की ओर- अवसरों का दोहन और सभी के लिए अधिकार और विकल्प सुनिश्चित करना।

साथियों बात अगर हम जनसंख्या वृद्धि से प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधनों पर विपरीत प्रभावों याने समस्याओं की करें तो, पर्यावरण प्रदूषण, ओजोनपरत को हानि, पारितंत्रीय समस्या, ब्रम्हांडीय तापमान का बढना, प्राकृतिक संसाधनो का दोहन, स्वास्थ्य संबंधीं समस्याएं, गरीबी तथा बेकारी, नैतिक मूल्यो का पतन तथा अपराध में वृद्धि, कृषि भूमि पर अत्यधिक दबाव, प्राकृतिक संसाधनों का शोषण प्रति व्यक्ति कम आय, बेरोजगारी में वृद्धि, जीवन स्तर में गिरावट, पर्यावरण प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण।

साथियों बात अगर हम किसी भी देश की वर्तमान स्थिति के आकलन की करें तो, वह वहां की आर्थिक विकास और जनसंख्या के ही हिसाब से तय किया जाता है। यह दोनों एक राष्ट्र के विकास के सबसे बड़े कारक होते हैं। भारत जैसे देश में जनसंख्या वृद्धि एक खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। भले ही हम विश्व के सबसे ज्यादा युवा वाला देश होने का दावा करते हैं पर सच यही है कि अब हमारे देश की जनसंख्या यहां की आर्थिक स्थिति को काफी नुकसान पहुंचा रही हैं। जनसंख्या किसी भी देश के विकास के लिए सबसे बड़ा अवरोध पैदा कर सकती है।2011 के जनगणना के आंकड़ों के लिहाज से देखें तो हमारे देश की जनसंख्या 121.27 करोड़ हो गई है यानी कि 2001 की जनसंख्या में लगभग 17.7 फीसदी का इजाफा हुआ है। यह इजाफा भारत जैसे विकासशील देश के समक्ष कई समस्याओं और चुनौतियों को भी जन्म देता है। जनसंख्या वृद्धि ने हमारे देश के समक्ष बेरोजगारी, खाद्य समस्या, कुपोषण, प्रति व्यक्ति आय, गरीबी, मकानों की कमी, महंगाई, कृषि विकास में बाधा, बचत एवं पूंजी में कमी, शहरी क्षेत्रों में घनत्व जैसी ढेर सारी समस्याओं को उत्पन्न कर चुका है। हम इन समस्याओं से निपटने की लगातार कोशिश तो कर रहे हैं पर समाधान बहुत कम निकल कर सामने आ रहे हैं।

साथियों बात अगर हम जनसंख्या वृद्धि में भारत की स्थिति की करें तो, लोगों को रोटी, कपड़ा और मकान जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। अकेले भारत की जनसंख्या लगभग एक अरब 35 करोड़ के आसपास है जो कि विश्व की जनसंख्या का 17. 50 है। चीन भारत से अत्यधिक बड़ा होने के बावजूद विश्व में उसे देश की जनसंख्या 18.1 प्रतिशत के आसपास है। इतना ही नहीं जनसंख्या विस्फोट की वजह से भ्रष्टाचार, चोरी, अनैतिकता और अराजकता तथा अपराध में भी काफी इजाफा हुआ है। आजादी के समय हमारे देश की जनसंख्या लगभग 35 करोड़ के आसपास थी जो आज 4 गुना ज्यादा बढ़ चुकी है। इस जनसंख्या वृद्धि के लिए कई अनेक कारण जिम्मेदार हैं जैसे कि परिवार नियोजन के कमजोर तरीकें, शिक्षा, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का अभाव, अंधविश्वास तथा विकासन्मुखी सोच की कमी है।

साथियों बात अगर हम जनसंख्यिकीय पारिस्थितिकी तंत्र के लाभों और दोषियों के आंकलन की करें तो, हालांकि हम इस बात से भी इनकार नहीं कर सकते हैं कि किसी भी राष्ट्र के विकास में जनसंख्या की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है और सभी संसाधनों में सर्वाधिक शक्तिशाली एवं सबसे महत्वपूर्ण जो ताकत होती है वह मानव संसाधन की ही होती है। लेकिन अतिशय जनसंख्या वृद्धि कहीं ना कहीं एक राष्ट्र की सेहत के लिए ठीक नहीं है। हमें उन उपायों पर सोचना होगा जिससे कि इस जनसंख्या विस्फोट से बचा जा सके। परिवार नियोजन, जागरूकता, विवाह की न्यूनतम आयु में वृद्धि करना, शिक्षा और सेक्स शिक्षा पर जोर देने के अलावा लोगों को राष्ट्र और समाज के प्रति उसके कार्यों का आभास दिलाना भी होगा।

साथियों बात अगर हम इस दिवस को मनाने के इतिहास की करें तो 11 जुलाई 1947 को ग्लोबल जनसंख्या 5 अरब हो चुकी थी,इसी बात पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने बढ़ती जनसंख्या पर चिंता प्रकट की। इसके बाद 11 जुलाई 1989 को संयुक्त राष्ट्र में बढ़ती जनसंख्या को काबू करने और परिवार नियोजन को लेकर लोगों में जागरुकता लाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके साथ ही पहली बार वर्ल्ड पॉपुलेशन डे मनाया गया था।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरणका अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई 2022 पर विशेष है। बेरोजगारी, भुखमरी, अशिक्षा रूपी समस्याओं से छुटकारा सहित भविष्य के अवसर, अधिकार और विकल्प सुनिश्चित करने जनसंख्या नियंत्रण जरूरी है। सभी संसाधनों से शक्तिशाली ताकत मानव संसाधन है परंतु जनसंख्या वृद्धि राष्ट्र के हर क्षेत्र की सेहत के लिए ठीक नहीं है इसलिए जनसंख्या नियंत्रण उपायों पर मंथन जरूरी है।

देश को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षण संस्थानों, शिक्षकों को कौशलता धारक मानव संसाधनों को तैयार करने की भावना को आत्मसत करना होगा

भारत में आदि-अनादि काल से ही मानवीय बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व खजाना रहा है या यूं कहें कि भारत की मिट्टी में ही ऐसी अद्भुत शक्ति समाई हुई है कि वह प्राकृतिक रूप से ही हर मानवीय जीवन में बौद्धिक क्षमता का प्रचुर डोज पैदा होने के समय से ही उसके मस्तिष्क में लगा देती है, परंतु हम मानवीय जीव अपने इस कौशलता रूपी डोज को नहीं पहचान पाते या विलंबित धारा में पहचान केवल महसूस करते हैं। एक भारतीय में गजब का टैलेंट, कॉन्फिडेंस और बौद्धिक क्षमता की विविधता होती है वह शायद ही वैश्विक स्तरपर किसी अन्य देश के किसी नागरिक में होगी!! यही कारण हैकि दुनिया में करीब-करीब हर देश में बड़ी तादाद में भारतीय अपनी बौद्धिक क्षमता के बल पर परचम लहरा रहे हैं!! जो हम टीवी चैनलों के माध्यम से पीएम के विदेश दौरों में अप्रवासी भारतीयों का हुजूम उमड़ा हुआ देखते हैं कि कितना खुशहाल और अभूतपूर्व सौहार्द्र के माहौल में पीएम उन्हें संबोधित करते हैं और हमारी कॉलर टाइट होती है!! हम गदगद होते हैं!! कि यह भी अप्रवासी हिंदुस्तानी हैं!!

साथियों बात अगर हम विद्यया अमृतम् अश्नुते। की करें तो अमृतकाल में देश के अमृत संकल्पों को पूरा करने की बड़ी जिम्मेदारी हमारी शिक्षा व्यवस्था पर है, हमारी युवा पीढ़ी पर है। हमारे यहाँ उपनिषदों में भी कहा गया है- विद्यया अमृतम् अश्नुते। अर्थात्, विद्या ही अमरत्व और अमृत तक लेकर जाती है। काशी को भी मोक्ष की नगरी इसीलिए कहते हैं क्योंकि हमारे यहाँ मुक्ति का एकमात्र मार्ग ज्ञान को, विद्या को ही माना गया है।

साथियों बात अगर हम पुरानी सोच, पढ़ाई का मतलब नौकरी की करें तो पीएम ने एक कार्यक्रम में कहा, आप सभी जानते हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मूल आधार, शिक्षा को संकुचित सोच के दायरों से बाहर निकालना और उसे 21वीं सदी के आधुनिक विचारों से जोड़ना है। हमारे देश में मेधा की कभी कोई कमी नहीं रही है। लेकिन, दुर्भाग्य से हमारे यहाँ ऐसी व्यवस्था बना कर दी गई थी जिसमें पढ़ाई का मतलब केवल और केवल नौकरी ही माना जाने लगा था। शिक्षा में ये विकार गुलामी के कालखंड में अंग्रेजों ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए, अपने लिए एक सेवक वर्ग तैयार करने के लिए किया था। आजादी के बाद, इसमें थोड़ा बहुत बदलाव हुआ भी लेकिन बहुत सारा बदलाव रह गया। अब अंग्रेजों की बनाई व्यवस्था कभी भी भारत के मूल स्वभाव का हिस्सा नहीं थी और न हो सकती है। अगर हम हमारे देश

के पुराने कालखंड की तरफ नजर करें। हमारे यहाँ शिक्षा में अलग-अलग कलाओं की धारणा थी।

साथियों बात अगर हम देश को आगे बढ़ाने के लिए कौशलता धारक मानव संसाधनों की करें तो पीआईबी के अनुसार माननीय पीएम ने दिनांक 7 जुलाई 2022 को एक कार्यक्रम के संबोधन में कहा, शिक्षा में यही विविधता हमारी शिक्षा व्यवस्था का भी प्रेरणास्रोत होनी चाहिए। हम केवल डिग्री धारक युवा तैयार न करें, बल्कि देश को आगे बढ़ने के लिए जितने भी मानव संसाधनों की जरूरत हो, हमारी शिक्षा व्यवस्था वो देश को उपलब्ध करायें, देश को दे। इस संकल्प का नेतृत्व हमारे शिक्षकों और शिक्षण संस्थानों को करना है। हमारे शिक्षक जितनी तेजी से इस भावना को आत्मसात करेंगे, छात्र-छात्राओं को देश के युवाओं को उतना ही ज्यादा, देश के आने वाले भविष्य को भी उतना ही ज्यादा लाभ होगा। उन्होंने कहा जब देश का मिजाज ऐसा हो, जब देश की रफ़्तार ऐसी हो तो हमें अपने युवाओं को भी खुली उड़ान के लिए नई ऊर्जा से भरना होगा। अभी तक स्कूल, कॉलेज और किताबें ये तय करते आये थे कि बच्चों को किस दिशा में जाना है। लेकिन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बाद अब युवाओं पर दायित्व और बढ़ गया है। और इसके साथ ही हमारी भी ये जिम्मेदारी बढ़ गई है कि हम युवाओं के सपनों और उड़ान को निरंतर प्रोत्साहित करें, उसके मन को समझें, उसकी आकांक्षाओं को समझें, तभी तो खाद पानी डाल पाएंगे। उसे समझे बिना कुछ भी थोपने वाला युग चला गया है दोस्तो।

मिट्टी, जल, हवा को प्रदूषण से बचाना सबकी जिम्मेवारी : पीआईबी अपर महानिदेशक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। हमें मिट्टी, जल, हवा को प्रदूषण से बचाना है। यह प्रकृति प्रदत्त संसाधन मानव जीवन के लिये अमूल्य निधि है। ये बातें पत्र सूचना कार्यालय, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के अपर महानिदेशक श्री विजय कुमार ने केंद्रीय संचार ब्यूरो, वाराणसी द्वारा पूर्व माध्यमिक विद्यालय, सूजाबाद, वाराणसी में नमामि गंगे विषय पर आयोजित जनजागरूकता कार्यक्रम में व्यक्त कही। उन्होंने कहा कि गंगा हमारी पवित्र नदी है। गंगा को स्वच्छ, निर्मल व अविरल बनाये रखने के लिये सरकार की नमामि गंगे योजना लोगों की सहभागिता से ही सम्भव है गंगा में अवशिष्ट पदार्थ के फेंकने से लोगों को बचना चाहिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर हम हवा, मिट्टी, पानी को प्रदूषित होने से बचा सकते हैं । इस अवसर पर केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 15 विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया विद्यालय के बच्चों ने गंगा गीत प्रस्तुत किया` कार्यक्रम का संचालन करते हुए क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी, वाराणसी डॉ. लालजी ने राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन पर चर्चा करते हुए कहा कि जनभागीदारी से गंगा को स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनाने के लिये लोग आगे आना चाहिए। कार्यक्रम में पीआईबी के मीडिया एवं संचार अधिकारी, प्रशान्त कक्कड़ ने कहा कि मानव सभ्यता के विकास में नदियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है इसे स्वच्छ और सुरक्षित रखना हम सबों की जिम्मेदारी है ` कार्यक्रम के सफल संचालन में प्रधानाध्यापक विजय कुमार, आशा यादव, ममता कुमारी, ऋचा सिंह, राजेश निषाद और दर्शन निषाद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अस्पताल-जनित संक्रमण से बचाने के लिए नया सॉल्यूशन

अस्पतालों में उपयोग होने वाले स्वास्थ्य देखभाल परिधान (स्क्रब, गाउन, डॉक्टर कोट, रोगी के वस्त्र आदि) में सूक्ष्म रोगजनक होते हैं, जो बीमारी का कारण बन सकते हैं। कपड़े की नरम और छिद्रयुक्त सतह हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस, और कवक के पनपने एवं उनके प्रसार के लिए अनुकूल होती है। इन रोगजनकों को साफ करने या हटाने के बार-बार किये जाने वाले प्रयासों के बावजूद, वे समय के साथ कपड़ों से चिपके रहते हैं, और संक्रमण फैलाते रहते हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली द्वारा इन्क्यूबेटेड स्टार्टअप मेडिकफाइबर और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के शोधकताओं ने एक प्रभावी सॉल्यूशन विकसित किया है, जिससे अस्पतालों में चिकित्सकों, कर्मचारियों, एवं मरीजों को रोगजनकों के संक्रमण से रहित वस्त्र एवं टैक्सटाइल मैटेरियल उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यह पहल अस्पतालों में कपड़ों के जरिये फैलने वाले रोगजनक सूक्ष्मजीवों के संक्रमण को रोकने में मददगार हो सकती है। मेडिकफाइबर ने चिकित्सकों, कर्मचारियों, एवं मरीजों के लिए रोगजनक सूक्ष्मजीवों के संक्रमण से रहित वस्त्रों के साथ-साथ अस्पतालों में उपयोग होने वाली बेडिंग इत्यादि की विस्तृत श्रृंखला पेश की है। इन वस्त्रों और टैक्सटाइल मैटेरियल की विशेषता यह है कि इन पर वायरोक्लॉग नामक नये विकसित एक विशिष्ट सॉल्यूशन

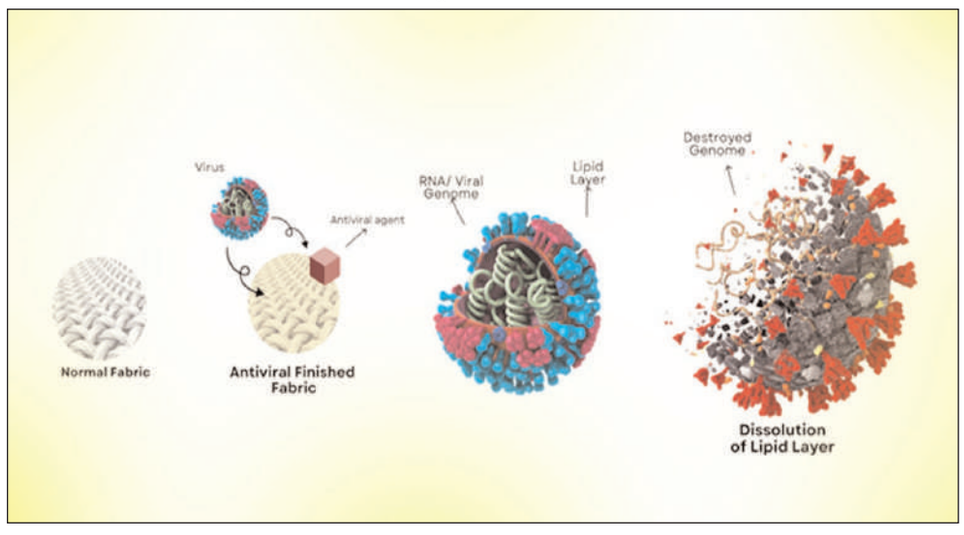

की कोटिंग की गई है, जो रोगजनक सूक्ष्मजीव प्रतिरोधी है। सॉल्यूशन की कोटिंग कपड़ों पर संक्रमण पैदा करने वाले रोगजनकों को पनपने नहीं देती।

इस सॉल्यूशन की एक विशेषता यह है कि यह लंबे समय तक प्रभावी रहता है। संक्रमण-रोधी सॉल्यूशन की कोटिंग से युक्त वस्त्रों के उपयोग से अस्पतालों में पाये जाने वाले वायरस, बैक्टीरिया, और फंगस जैसे रोगजनक सूक्ष्मजीवों का संक्रमण फैलने का खतरा कम हो सकता है। मेडिकफाइबर द्वारा पेश की जा रही वस्त्रों की श्रृंखला में रोगजनक सूक्ष्मजीव प्रतिरोधी डॉक्टर्स कोट, गाउन, ओटी गाउन, स्क्रब सूट, चादरें इत्यादि शामिल हैं।

शोधकताओं का कहना है कि वस्त्रों पर वायरोक्लॉग सॉल्यूशन का लेप करने से कपड़ों की सतह की ऊर्जा कम हो जाती है, जिससे रोगाणुओं को चिपकने से रोका जा सकता है, और उनकी झिल्ली नष्ट हो जाती है। लिपिड-आधारित झिल्ली अवरोध का विनाश रोगाणुओं को निष्क्रिय कर देता है। अस्पतालों में उपयोग होने वाले कपड़ों के साथ इस रोगाणुरोधी प्रौद्योगिकी को एकीकृत करके जीवन बचाने और स्वास्थ्य संबंधी खर्च को कम करने में मदद मिल सकती है। एम्स, नई दिल्ली, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलूरू और परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं द्वारा किए गए परीक्षणों से पता चलता है कि वायरोक्लॉग रोगाणुरोधी अस्पताल के कपड़ों के माध्यम से संक्रमण को कम करने में सक्षम है। स्टार्टअप के सलाहकार और आईआईटी दिल्ली में संकाय सदस्य डॉ सचिन कुमार बताते हैं कि टैक्सटाइल मैटेरियल छिद्रयुक्त होते हैं, जिसके कारण रोगजनक बैक्टीरिया वस्त्रों पर आसानी से पनप सकते हैं। भारतीय उपमहाद्वीप के आर्द्र और गर्म वातावरण में रोगजनकों की वृद्धि अधिक होती है। इसके अलावा, अस्पताल-जनित संक्रमण लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती होने, वित्तीय बोझ और अधिक मृत्यु दर का कारण बनता है। इसलिए, स्वास्थ्य देखभाल के लिए अस्पतालों में रोगाणुरोधी कपड़ों की एक श्रृंखला के माध्यम से अस्पताल-जनित संक्रमण के बोझ को कम करने के लिए प्रभावी प्रौद्योगिकी विकसित करना समय की माँग है। मेडिकफाइबर के संस्थापक हर्ष लाल ने कहा है कि बाजार के मौजूदा खिलाड़ी मुख्य रूप से सिल्वर-कोटेड नैनो कणों पर भरोसा करते हैं, जबकि वायरोक्लॉग काफी अलग है, जिसमें व्यापक स्पेक्ट्रम रोगाणुरोधी गुण हैं। वर्तमान में उपलब्ध सॉल्यूशन करीब 50 वॉश तक कोटिंग सुरक्षा प्रदान करते हैं। लेकिन, कई प्रयोगशाला परीक्षणों में पेटेंट किए गए वायरोक्लॉग उच्च स्थायित्व का प्रदर्शन करते हुए 100 से अधिक वॉश तक सुरक्षा प्रदान कर सकता है, और संक्रमण को कम करने में मदद करता है। कोविड-19 जैसी महामारी के प्रकोप को देखते हुए स्टार्टअप के चिकित्सा सलाहकार और एम्स नई दिल्ली में संकाय सदस्य डॉ विक्रम सैनी ने कहा है कि अस्पतालों में चिकित्सा-कर्मियों के लिए सुरक्षात्मक कपड़ों की तत्काल आवश्यकता है, जो किफायती और आरामदायक होने के साथ-साथ रोगाणुओं के खिलाफ लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम हों। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, वैश्विक स्तर पर अस्पताल में भर्ती हर दस में से एक मरीज को अस्पताल से प्राप्त संक्रमण का सामना करना पड़ता है। अब यह अनुभव किया जा रहा है कि वस्त्र और टैक्सटाइल मैटेरियल न केवल रोगजनक बैक्टीरिया, वायरस और कवक जैसे सूक्ष्मजीवों का वाहक बनते हैं, बल्कि इन रोगाणुओं के विकास के लिए प्रजनन स्थल के रूप में भी कार्य कर सकते हैं।

सुलझेगा ब्रह्मांड में मौजूद डार्क मैटर का रहस्य?

वैज्ञानिक इसे सुलझाने के करीब आ चुके हैं

मुंबई। डार्क मैटर क्या है। ब्रह्मांड के सबसे बड़े रहस्यों में गिनी जानेवाली इस एक पहेली को शायद अब वैज्ञानिक सुलझा सकेंगे. लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (एलएचसी) पिछले दिनों से फिर से अपनी पूरी ताकत से काम करना शुरू कर रहा है। ब्रह्मांड का तीन चौथाई हिस्सा डार्क मैटर से बना है। लेकिन वैज्ञानिकों को अब भी इसके बारे में कुछ भी पता नहीं है। अब स्विट्जरलैंड स्थित सर्न के नाम से मशहूर यूरोपियन ऑर्गनाइजेशन ऑफ न्यूक्लियर रिसर्च में मौजूद दुनिया के सबसे ताकतवर पार्टिकल एक्सलरेटर - लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर - को डार्क मैटर की तलाश में मदद के लिए खास तौर पर अपग्रेड किया गया है। अगर वैज्ञानिक डार्क मैटर के रहस्यों को समझने में कामयाब रहते हैं तो ये पहली बार नहीं होगा जब लार्ज हार्डन कोलाइडर यानी एलएचसी को बड़ी सफलता हासिल हो रही होगी। इससे पहले इसने हिग्स बोसोन का पता लगाया था जो 21वीं शताब्दी की सबसे बड़ी खोजों में से एक थी। इस साल हिग्स बोसोन को खोजे जाने के दस साल पूरे हो जाएंगे। इस कण और इससे जुड़े क्षेत्र के बगैर ब्रह्मांड में कुछ भी नहीं होता। ब्रिटिश अणु भौतिकीविद डॉक्टर क्लारा नेलिस्ट उस टीम का अहम हिस्सा हैं जो डार्क मैटर को खोज निकालने के लिए बनाई गई है। लेकिन शीर्ष वैज्ञानिक बनने की उनकी यह यात्रा आसान नहीं रही है। वह कहती हैं, रहमारे स्कूल में तो फिजिक्स के टीचर तक नहीं थे। वह ए-लेवल के लिए वहां फिजिक्स नहीं पढ़ पाई और बाद में वैज्ञानिक

बनने के सपने को पूरा करने के लिए कहीं और जाना पड़ा। उन्होंने कहा, " फिजिक्स के उन अध्यायों को पढ़ने के लिए मुझे हफ्ते में दो दिन सफर करना पड़ता था। उनके लिए प्री-यूनिवर्सिटी परीक्षा के प्रश्नपत्र तैयार किए और उन्हें अपने स्कूल में बैठ कर ये परीक्षा देनी पड़ी। लेकिन इन बाधाओं को पार कर क्लारा जल्द ही आगे की पढ़ाई के लिए मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी पहुंच गईं। यहां उन्होंने अपनी पीएचडी के लिए रिसर्च की। यहां उहोंने एलएचसी से जुड़े प्रयोगों पर काम करना शुरू कर दिया।

जब हिग्स बोसोन के बारे में पहली बार 2012 की मशहूर घोषणा हुई तो क्लारा सर्न में ही थीं। वह बताती हैं, मैं उस ऐतिहासिक पल की साक्षी होने के लिए उस ऑडिटोरियम की सीट पाने के लिए इसके बाहर सोई थी, जहां हमारे डायरेक्टर उस नए खोजे गए कण के बारे में ऐलान करने वाले थे। उन्होंने कहा था कि उन्होंने नए कण की खोज की है और वो इसका ऐलान करने वाले हैं। वो कहती हैं." इस खोज की यादें मुझे इन टीमों के साथ काम करने को प्रेरित करती हैं ताकि अगली बड़ी खोज कोशिश की जाए।

क्लारा कहती हैं, हिग्स बोसोन वास्तव में एक खास कण है क्योंकि शुरूआती कण जिस तरह से अपना द्रव्यमान ग्रहण करते हैं वो इससे जुड़ा है। जब ये कण हिग्स फील्ड में एक दूसरे के संपर्क में आते हैं तो द्रव्यमान हासिल कर लेते हैं। हिग्स बोसोन वो है जिसे हम हिग्स फील्ड का अस्तित्व दिखाने के प्रयोग में खोज सकते हैं। दरअसल एक हिग्स फील्ड एक एनर्जी फील्ड है जो दूसरे बुनियादी कणों जैसे इलेक्ट्रॉन और क्वार्क्स को द्रव्यमान देता है। हिग्स बोसोन को ईश्वरीय कण यानी 'गॉड पार्टिकल' कहा गया क्योंकि द्रव्यमान हासिल करने की प्रक्रिया को बिग बैंग से जोड़ा गया है। माना जाता है कि बिग बैंग से मौजूदा ब्रह्मांड का अस्तित्व सामने आया है। क्लारा कहती हैं, " पिछले कुछ साल बड़े रोमांचक रहे क्योंकि हम अपने एक्सलेरेटरों की मरम्मत और इस पर किए जा रहे प्रयोगों, दोनों को अपग्रेड कर रहे थे.इस अपग्रेडेशन का मतलब ये कि अब ज्यादा ताकतवर हो जाएगा. यानी अब ज्यादा कण एक दूसरे से टकराएंगे और उनमें ज्यादा घर्षण होगा. इसका मतलब विश्लेषण के लिए और ज्यादा डेटा उपलब्ध होंगे.एलएचसी अविश्वसनीय तौर पर बहुत बड़ी मात्रा में ऊर्जा का इस्तेमाल करता है. एक साल में सर्न एक छोटे शहर के बराबर बिजली की खपत कर लेता है. यानी एक साल में तीन लाख घरों में जितनी बिजली खर्च होती है उतनी बिजली सर्न में खर्च होती है। इसमें से कुछ ऊर्जा प्रोटोन की रफ्तार बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है. ये कोशिश इसकी रफ्तार लगभग प्रकाश की रफ्तार बढ़ाने के लिए की जाती है ताकि जब ये टकराए तो छोटे कणों में बंट जाएं।

मजा नहीं आ रहा... और छोड़ दी नौकरी

नौकरी छोड़ने की ये वजह तो गजब है

नई दिल्ली। इंटरनेट पर कभी भी कुछ भी वायरल हो सकता है। सोशल मीडिया पर कब और क्या वायरल हो जाए कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। अब इन दिनों सोशल मीडिया पर एक अजीबोगरीब रिजाइन लेटर वायरल हो रहा है। क्रिएटिविटी दिखाने के लिए लोग कभी-कभी कुछ ऐसा करते हैं जिस पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है।

अब इस बीच एक ऐसी ही क्रिएटिविटी सोशल मीडिया पर देखने को मिली है। एक शख्स ने अपनी नौकरी से इस्तीफा देने के लिए क्रिएटिविटी दिखाई है। दरअसल इस शख्स ने अपने बॉस को ऐसा इस्तीफा लिखकर भेजा है जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर इस रेजिग्नेशन लेटर की चर्चा खूब हो रही है। आइए जानते हैं कि आखिर इस शख्स ने अपने रेजिग्नेशन लेटर में ऐसा क्या लिख दिया है। आमतौर पर जब कोई कंपनी या संस्थान से इस्तीफा देता है तो अपने अंदाज में इस्तीफा देने के लिए पत्र लिखता है। इस पत्र में वह अपने बॉस या कंपनी को देता है और अनुभव शेयर करता है। लेकिन शख्स ने रेजिग्नेशन लेटर में ऐसा कुछ भी नहीं लिखा है। उसने सिर्फ दो टूक लिखकर अपना इस्तीफा भेज दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोग इस रेजिग्नेशन लेटर पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है कि इतनी जल्दी में था कि उसने एक रफ पेपर के पीछे ही रेजिग्नेशन लेटर लिख दिया। इस्तीफा देने वाले शख्स ने लिखा है कि डियर सर, मैं इस्तीफा दे रहा हूं। मजा नहीं आ रहा। आपका राजेश। इस इस्तीफे का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए बिजनेसमैन हर्ष गोयनका ने कैप्शन में लिखा है कि यह लेटर छोटा है, लेकिन बहुत गहरा है। एक गंभीर समस्या जिसका समाधान हम सभी को करना है...। गोयनका के इस पोस्ट पर कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट्स किया है। एक ने लिखा है कर्मचारी साफ-साफ बोलने वाला है जबकि एक और यूजर ने लिखा है कि आखिर उसको क्या परेशानी थी। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा भगवान सभी को ऐसा एटीट्यूड दें। इससे पहले भी कई बार अनोखे रेजिग्नेशन लेटर सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। हाल ही में एक रेजिग्नेशन लेटर वायरल हुआ था जिसमें शख्स ने सिर्फ तीन शब्दों में अपना इस्तीफा दे दिया था। उसने लिखा था गुड मॉर्निंग सर, आई एम लीविंग।

नर्स ने एलियंस का किया पोस्टमॉर्टम!

अमेरिकी सेना ने नर्स से कराया यह काम

वाशिंगटन। दुनियाभर में एलियंस के बारे में आए दिन चर्चा होती रहती है। एलियंस को लेकर आए दिन ऐसे दावे किए जाते हैं जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। कई बार लोगों ने यूएफओ और एलियन को देखने का दावा किया है। लेकिन अभी भी ये बड़ा सवाल है कि क्या ब्रह्मांड में एलियन का अस्तित्व है? दुनियाभर के वैज्ञानिक सालों से इस सवाल का जवाब तलाशने में लगे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक कोई कामयाबी नहीं मिली है। अब इस बीच एक शख्स ने हैरान करने वाला दावा किया है। इस दावे के बारे में जानकर आपके होश उड़ जाएंगे।

एक शख्स का दावा है कि अमेरिकी सेना ने एक नर्स से एलियन का पोस्टमॉर्टम कराया था। इस दावे से सनसनी मच गई है। इससे पहले भी कई लोगों ने एलियन देखने का दावा किया है, लेकिन यह पहली बार है जब किसी ने इस तरह की बात कही हो। अमेरिका में एलियन के आने की हमेशा थ्योरी दी जाती है। अब इस बीच अमेरिका के एक वेटरन का वीडियो वायरल हो रहा है जो पुराना है। इसमें उन्होंने बताया है कि एक एलियन को देखा है। वीडियो में उन्होंने दावा किया है कि अमेरिकी अधिकारियों ने एलियन का चीर फाड़ करने के लिए एक नर्स पर दबाव बनाया था। उन्होंने दावा किया है कि रोसवेल यूएफओ क्रैश के बाद एलियन के शव का पोस्टमॉर्टम किया जाना था जिसके लिए नर्स को विवश किया गया था। इसकी वजह से नर्स सदमे में चली गई थी। रोसवेल फ्यूनरल होम के एक कार्मचारी ने यह दावा किया है। कर्मचारी का कहना है कि एलियन को दफनाने के लिए सेना ने बच्चों के आकार के ताबूत बनवाए थे। उसका दावा है कि वह नर्स को जानता है जिसने इस घटना के बाद इस्तीफा दे दिया था।

रोसवेल फ्यूनरल होम के कर्मचारी का नाम ग्लेन डेनिस है। रोसवेल यूएफओ दुर्घटना के समय यह कर्मचारी न्यू मैक्सिको के रोसवेल में अंडरटेकर में काम करता था। इस समय इस शख्स की मौत हो चुकी है, लेकिन उसने नर्स के नाम का कभी खुलासा नहीं किया। एक पूर्व जासूस और सैन्य पुलिस अधिकारी हैं जिनका नाम जेम्स क्लार्कसन है ने ग्लेन का इंटरव्यू लिया था। उन्होंने कहा था कि उनकी कहानियां नाटकीय हैं, लेकिन एक विश्वसनीय स्रोत हैं। जेम्स ने ग्लेन द्वारा बताई गई बातों को बताया है। ग्लेन ने कहा था कि जब यह घटना घटी थी तब छोटे शहरों में एंबुलेंस नहीं थे। जेम्स ने बताया है कि एक एयरमैन घायल था जिसे ग्लेन लेकर जा रहे थे। उसको जानने वाली एक नर्स ने उससे पूछा कि वह यहां क्या कर रहा है जो बेहद डरी हुई थी। नर्स ने बाद में अपना इस्तीफा दे दिया और कहा कि कभी उसकी पहचना उजागर न करे। दुनिया में रोसवेल यूएफओ हादसा के लिए जाना जाता है।

पिंडरा ब्लाक को आदर्श ब्लॉक बनाना उद्देश्य

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा ब्लॉक प्रमुख धर्मेंद्र विश्वकर्मा व संरक्षक रविशंकर सिंह ने कहाकि पिंडरा ब्लॉक का आदर्श ब्लॉक बनाना और हर सुविधाओ से पूर्ण करना मेरा उद्देश्य है। इसके लिए लगातार विकास कार्य किये जा रहे हैं। उक्त बातें पिंडरा ब्लॉक प्रमुख ने कार्यकाल के एक वर्ष पूरे होने पर क्षेत्रीय पत्रकारो से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने बताया कि 40 ग्राम सभाओं में इंटरलॉकिंग का कार्य और 1000 स्ट्रीट लाइट लगवाने के साथ तहसील व ब्लाक परिसर में हाईमास्ट लगवाया गया। यही नही बल्कि तहसील ब्लॉक परिसर के अलावा थाना सिंधोरा,फूलपुर,ओदार चौराहे पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गयी। साथ ही गंगापुर पीएचसी में टाइल्स इंटरलॉकिंग, रंगरोगन पेयजलापूर्ति बैठने के लिये ब्रेंच की व्यवस्था की गयी। और ब्लाक सभागार और ब्लाक प्रमुख कक्ष की मरम्मत और वातानुकूलन का कार्य भी हुआ। और ब्लॉक तक पहुँचने के रास्ते और मुख्यद्वार का निर्माण कार्य जारी है। इसके अलावा ब्लॉक परिसर मे एएनएम सेंटर का कायाकल्प किया गया। अब तक करोड़ो रुपए खर्च कर भौतिक संसाधन को सुदृढ़ किया गया। ब्लाक प्रमुख संरक्षक रविशंकर सिंह ने बताया आने वाले समय में प्रदेश केंद्र की समस्त योजनाओं को जनता तक पहुचाने का प्रयास करूंगा।

विधायक की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई आयोजित

प्रखर संतकबीरनगर। उ0प्र0 सरकार के 100 दिन पूरे होने पर मा0 विधायक सदर अंकुर राज तिवारी की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी अतुल मिश्र की उपस्थिति में जनपद के 100 दिन में सरकार द्वारा दी जाने वाली लाभार्थीपरक/ कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर फीड बैक प्राप्त किया गया।विधायक जी द्वारा समीक्षा बैठक में बताया गया कि केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा जो भी लाभार्थीपरक योजनाएं जनपद के विकास के लिए संचालित की जा रही है सभी सम्बंधित विभाग अक्षरः पूरी पारदर्शिता के साथ पात्र व्यक्तियों तक सीधे पहुचाये, यदि कही भी किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो आप सब हमें अवगत कराये, हम शासन स्तर से वार्ता कर उसको पूर्ण करायेगें।विधायक जी द्वारा सभी सम्बंधित अधिकारियों से फीड बैक प्राप्त कर सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि आप सब अपने-अपने विभाग के माध्यम से सभी पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें। विधायक द्वारा शिक्षा विभाग, विद्युत विभाग, समाज कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक विभाग, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व बन्दना योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन, राज्य ग्रामीण आजिविका मिशन, निराश्रित महिला पेशन योजना, दिव्यांगजन पेशन योजना, आदि सम्बंधित विभाग की योजनाओं की समीक्षा किया। विधायक अकुर राज तिवारी द्वारा बैठक में सुझाव दिया गया कि प्रत्येक विभाग में कोई न कोई मीडिएटर होता है ये नही होना चाहिए। विधायक ने कहा कि किसी भी विभाग में कोई मध्यस्थता नही होना चाहिए आप सब स्वयं लाभार्थियों से मिल कर पात्र व्यक्तियों तक एवं समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुचाये।उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि न्याय पंचायतवार कैम्प लगा कर योजनाओं की जानकारी दे कर पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें तथा किसी के दवाव में आकर आप कतई गलत काम न करें। उन्होंने कहा कि समस्त विभाग कैम्प लगा कर योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुँचाये। विधायक जी ने कहा कि जनता को शासन/प्रशासन से जोड़ने का कार्य जनप्रतिनियिों द्वारा किया जाता है। उन्होंने सभी विभागध्यक्षों को निर्देशित किया कि केन्द्र/राज्य सरकार की योजनाओं की कोई लाभार्थीपरक सूची आप लोग बनाते है तो जनप्रतिनिधियों से विचार विमर्श करने के पश्चात ही सूची फाइनल करे। उन्होंने कहा कि केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा जो लाभकारी योजना चलाई जा रही है प्रत्येक दशा में आप सब उन योजनाओं को पात्र व्यक्तियों तक पहुचाये। यदि आप सब को शासन स्तर पर कोई परेशानी आती है तो निसंकोच आप सब हमें अवगत कराकर उसका निराकरण कराये। विधायक जी ने सभी अधिकारियों को आश्वस्त किया कि आप सब सूची बनाये और सरकार द्वारा दिया गया बजट के साथ-साथ हमारा भी सहयोग रहेगा कि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंछित न होने पाये। विधायक जी द्वारा समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाये। इसी क्रम में आगामी 14 जुलाई 2022 से श्रावण मेला का शुभारम्भ हो रहा है। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि तामेश्वार नाथ धाम में प्रत्येक सोमवार को जलाभिषेक होगा जहॉ पर साफ-सफाई कि विशेष व्यवस्था रहनी चाहिए। उन्होंने अधिशाषी अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया कि श्रावण मास मेला को दृष्टिगत रखते हुए तामेश्वर नाथ धाम सहित जनपद के समस्त शिवालयों में विद्युतापूर्ति जारी रहे। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सुदामा प्रसाद, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी वी0पी0 पाण्डेय,अधिशाषी अभियन्ता विद्युत राजकुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी महेन्द्र कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक मनमोहन शर्मा, उपायुक्त उद्योग राजकुमार शर्मा, जिला प्रोबेशन अधिकारी डा0 श्वेता त्रिपाठी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी संजय यादव,अधि0 अभियन्त जल निगम, श्रम प्रवर्तन अधिकारी मो0 अब्बास, जिला उद्यान अधिकारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुनीता, जिला कार्यक्रम अधिकारी विजयश्री, सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज सहित विभिन्न विभागो के विभागाध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ को विश्व जनसंख्या दिवस पर सम्मानित किया गया और आई एस ओ प्रमाणपत्र दिया गया

प्रखर वाराणसी। वेदांता समूह व अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के सामाजिक पहल के अंतर्गत वाराणसी जनपद में 145 नन्दघर संचालित किए जा रहे हैं जिसमे देख रेख का कार्यक्रम की जिम्मेदारी हुमाना पीपल टू पीपुल इंडिया संस्था को सौंपी गई है जिसके अंतर्गत नंद घर परियोजना जनपद वाराणसी के ब्लॉक काशीविद्यापीठ के ग्राम विटारी नंदघर पर इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान हीरावती देवी थी और बाल विकास परियोजना के सहयोग से 5 नन्द घर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ के सहयोग से अवार्ड एंड रिवार्ड प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमे प्रोग्राम के अंतर्गत आने वाली सभी एक्टिविटीओ के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।स्वास्थ्य , शिक्षा ,पोषण ,और कौशल विकास के बारे में जानकारी दी गई साथ ही महिला सुपरवाइजर नेहा पांडे के द्वारा 3 नंदघर की कार्यकर्ताओ को आइसो सर्टिफिकेट दिया गया साथ ही कहा गया कि आपके परिश्रम को देखते हुए आइसो द्वारा ये सर्टिफिकेट आपको मिला है और सभी आंगनबाड़ी कार्यकताओं से कहा कि आप सभी के नन्द घरों में दिए गये एसेट्स की सुरक्षा आप रखे जिससे बच्चो को उसका लाभ मिल सके औरउनका भविष्यउज्जवल हो सके उसके बाद नन्हे मुन्हे बच्चो के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया जिला जिला समन्वयक भानु सिंह ने विश्व जनसंख्या दिवस के बारे में बताया कि मनाया जाता है इस दिन को जनसंख्या नियंत्रण के उद्देश्य से मनाया जाता है,लगातार बढ़ रही जनसंख्या एक गंभीर चिंता का विषय है,बढ़ती जनसंख्या के कारण भुखमरी, गरीबी,अशिक्षा और बेरोजगारी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं. ऐसे में जरूरी है कि जनसंख्या को कंट्रोल करने के लिए जरूरी कमद उठाए प्रोग्राम के अंत मे सभी का धन्यवाद देकर क्लस्टर कोडिनेटर सूरज गौतम, अभिषेक मिश्रा,ममता चौधरी,चिराग यादव के दोवार कार्यक्रम का समापन किया गया।

आल इण्डिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश ईकाई ने जिला पूर्ति अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

प्रखर वाराणसी। आल इण्डिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश ईकाई के जनपद वाराणसी के राशन डीलरो अपनी 9 सूत्रीय मांगों को वाराणसी के जिला पूर्ति अधिकारी को ज्ञापन पत्र दिया गया। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी प्रदेश सचिव अजय जायसवाल जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह मण्डल उपाध्यक्ष संदीप मिश्रा ब्लाक अध्यक्ष काशी विद्यापीठ देवबलि सिंह ब्लाक अध्यक्ष सेवापुरी प्रभु नारायण पाण्डेय जिला सचिव संदीप मिश्रा विनोद पांडेय मौजूद थे।

हंसगुल्ले

स्कूटी से गिरने के बाद मोटी लड़की बदन दर्द की शिकायत लेकर डॉक्टर के पास जाकर बोली...

डॉक्टर ने पूछा- आपको कहां दर्द है ?

युवती ने कहा- सब जगह दर्द है.. प्लीज मेरी मदद कीजिये..

डॉक्टर ने पूछा- सब जगह.. क्या मतलब? जरा साफ-साफ बताइए।

युवती ने अपनी तर्जनी से घुटने को छुआ और चिल्लाई- ओह, यहां दर्द है।

फिर उसने उंगली से ही अपने गाल को छुआ और बताया- आउच, यहां भी दर्द है।

फिर उसने अपने कान को छुआ और चीखी- यहां भी दुखता है। प्लीज मेरा इलाज कीजिए..

डॉक्टर ने कुछ देर तक ध्यानपूर्वक उसका परीक्षण किया, फिर कहा- आपकी उंगली टूट गई है...

इस दुनिया में वक्त का पहिया चलता है उल्टा?

वैज्ञानिक खोजने में लगे हुए हैं कारण

नई दिल्ली। हमारे ब्रह्मांड में कई ऐसी चीजें हैं जिनके बारे में हम शायद जानते भी नहीं हैं। वहीं विज्ञान के बढ़ते कदम धीरे-धीरे कई अनोखी और रहस्यमयी चीजों से पर्दा हटा रहे हैं। ऐसे में हमारे सामने कई चौकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। कई हॉलीवुड फिल्मों में एंटी यूनिवर्स थ्योरी का जिक्र किया गया है। जिस पर यकीन करना थोड़ा मुश्किल लगता है, लेकिन अगर आपसे कहा जाए कि एक ऐसी दुनिया जो हमारी दुनिया से ठीक उलट है और वैज्ञानिकों को भी इस पर यकीन है, तो आप क्या कहेंगे? इस पर यकीन करना भले ही मुश्किल है, पर वैज्ञानिक इसके बारे में पता लगाने की कोशिश में जुटे हैं।

वैज्ञानिकों की रिसर्च के मुताबिक, ये रहस्यमयी दुनिया हमारी पृथ्वी के पास ही हो सकती है। ये समानांतर दुनिया भौतिकी के नियमों में हमारी दुनिया से बिल्कुल उलट होगी। उदाहरण के तौर पर हम जिस तरह समय की गणना करते हैं, यहां वक्त उससे बिल्कुल उल्टा चलता होगा। इस रहस्यमय समांतर दुनिया को लेकर वैज्ञानिक लगातार रिसर्च कर रहे हैं, उन्हें भी एंटी यूनिवर्स की थ्योरी पर यकीन है, जिसे अब दुनिया के सामने लाने की कोशिश की जा रही है। वैज्ञानिक समानांतर दुनिया की बात को साबित करने के लिए मास न्यूट्रॉन के परीक्षण में जुटे हुए हैं। यदि इसमें वे सफल हो जाते हैं, तो दूसरी दुनिया की बात सही साबित हो सकती है। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित रिपोर्ट की मानें, तो एनल्स ऑफ फिजिक्स जर्नल में एंटी यूनिवर्स थ्योरी की विस्तार से व्याख्या की गई है। इसके पीछे की थ्योरी उस सामान्य भौतिकी कॉन्सेप्ट पर आधारित है, जिसे सीपीटी भी कहा जाता है। हैरान करने वाली बात तो यो है कि समानांतर दुनिया हमारी धरती के पास ही हो सकती है। रिसर्च के अनुसार ये दुनिया भौतिकी के नियमों में हमारी दुनिया से बिल्कुल उल्टी होगी। इसे ऐसे समझा जा सकता है, जिस तरह से हम धरती पर समय की गणना करते हैं, इस समानांतर दुनिया में वक्त उससे बिल्कुल उल्टा चलता होगा। इस रहस्यमयी दुनिया को लेकर वैज्ञानिक और रिसर्च कर रहे हैं। वैज्ञानिक भी इस बात की संभावना से इनकार नहीं करते हैं कि हमारी दुनिया की ही तरह एक ऐसी भी दुनिया है, जहां वक्त का उल्टा नियम है। ऐसा कई बार आपको कई फिल्मों में भी देखने को मिला है। वैज्ञानिकों का कहना है कि एंटी यूनिवर्स की थ्योरी फंडामेंटल सीमेट्रीज पर आधारित है। इस थ्योरी पर काम करते हुए डार्क मैटर्स की व्याख्या की जा सकती है। रिसर्चर्स का ये भी मानना है कि इस दुनिया में न्यूट्रॉन दायीं तरफ से घूमते होंगे। इस दुनिया की बात को साबित करने के लिए वैज्ञानिक मास न्यूट्रॉन्स की टेस्टिंग कर रहे हैं।

गांव से हुआ शहर लेकिन अधिकारियों पर नहीं हुआ कोई असर

नारायणीपुरम कॉलोनी डाफी लंका

प्रखर वाराणसी। वाराणसी के विकास के लिए के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने खजाने का मुंह खोल दिया है। लेकिन लेकिन वाराणसी के अधिकारियों ने जिनके जिम्मे यहां के विकास की व्यवस्था है भ्रष्टाचार के आकंठ में इस तरह से डूबे हुए हैं कि जागरूक नागरिकों के अधिकारों पर भी वह लगातार चुप्पी साधे रहते हैं। मामला डाफी के नारायणी कॉलोनी का है जहां के निवासियों ने कालोनी के विकास के लिए सड़क और सीवर के निर्माण के लिए आंदोलन छेड़ रखा था लेकिन अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगा। थक हार कर वहां के नागरिकों ने चंदा इकट्ठा कर कॉलोनी में सीवर लाइन के ऊपर सड़क बनवाने का काम शुरू कराया। यह वाराणसी के जनप्रतिनिधियों के मुंह पर करारा तमाचा ही कहा जाएगा । यहां के निवासियों ने प्रधानमंत्री के जनसंपर्क कार्यालय से लेकर मुख्यमंत्री पोर्टल, विधायक, जिलाधिकारी, नगर आयुक्त तक से शिकायत किया लेकिन उसके बाद भी कोई निवारण न होने के बाद आखिर कार कालोनी वासियों ने चंदा लगा कर निर्माण कराया नारायनीपुरम कॉलोनी डाफी लंका वाराणसी में सड़क निर्माण कराया। बतादें कि यह कालोनी पहले ग्राम पंचायत में थी अब विस्तार हुए क्षेत्र के कारण नगर निगम में शामिल हो गया है। सवाल यह है कि नागरिक अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले लोग अपने लिए एक सड़क तक नहीं बनवा सकते हैं । यह उस शहर की बात है जहां से प्रधानमंत्री चुन कर आते हैं और मुख्यमंत्री खुद महीनों में दो बार विकास कार्यों का जायजा लेने पहुंचते हैं।

माहवारी पर आधारित है फिल्म 'मासूम सवाल'

मुंबई (आईएएनएस)। बाल कलाकार नितांशी गोयल और एकावली खन्ना, शिशिर शर्मा, शशि वर्मा जैसे अभिनेताओं सहित अन्य अभिनीत फिल्म 'मासूम सवाल' मासिक धर्म और इससे जुड़े भ्रम पर आधारित है।

फिल्म का निर्देशन और लेखन संतोष उपाध्याय ने किया है और इसका निर्माण नक्षत्र 27 प्रोडक्शंस की रंजना उपाध्याय ने किया है। यह जो 5 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए उन्हें प्रेरित करने के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री एकावली खन्ना ने साझा किया, 'जब मुझे हमारे निर्देशक से कहानी मिली, तो पहली चीज जो मुझे दिखाई दी, वह एक बहुत ही असामान्य अवधारणा थी। एक अनूठी कहानी होने के बावजूद, यह क्योंकि मैं व्यक्तिगत रूप से एक बहुत विकसित परिवार से आती हूं, जहां मासिक धर्म चक्र के आसपास कोई वर्जित नहीं है, लेकिन मैंने देखा है कि भारत का एक बड़ा हिस्सा है जहां मासिक धर्म इतने सारे अप्रासंगिक और अवांछित नियमों के साथ इतना बड़ा सौदा है।'

'महिलाओं के साथ एक बहिष्कृत की तरह व्यवहार किया जाता है और मैं व्यक्तिगत रूप से इससे निराश महसूस करती हूं। मुझे लगा कि यह भारत में कई महिलाओं के लिए शुरू होगा अगर एक फिल्म एक वर्जना को तोड़ने और बदलाव के लिए आगे बढ़ने के लिए बनाई जा रही है, तो मैं इसका हिस्सा बनना पसंद करूंगी।'

पूरी अवधारणा कैसे सामने आई, इस पर प्रकाश डालते हुए निर्देशक संतोष उपाध्याय ने कहा, '2014 में, एक लड़की जो आठवीं कक्षा में थी, मेरे पास आई और उसने अपने माता-पिता से दूर, मुझसे अकेले में बात करने की इच्छा व्यक्त की। फिर उसने मुझसे पूछा, 'श्रीमान! लड़कियों को पीरियड्स क्यों आते हैं?' सच कहूं तो उस मासूम के लिए मेरे पास कोई जवाब नहीं था। तो मैंने उससे पूछा कि वह ऐसा क्यों पूछ रही है।'

'इसके बाद, मैंने यह फिल्म उस कहानी के बारे में लिखी जो उसने अपने घर के बारे में बताई थी। दिल्ली जैसे मेट्रो शहर में आज भी एक 14 साल की बच्ची ऐसे सामान्य विषय पर रो रही है, मासिक धर्म को लेकर भ्रम पैदा करना देश का दुर्भाग्य है। इससे प्रेरित होकर मैंने इस फिल्म को बनाने की हिम्मत जुटाई। कहीं एक चिंगारी जली और मैंने उससे शुरुआत की।' निर्माता रंजना उपाध्याय ने कहा, 'यह एक ऐसी फिल्म है जो पूरे समाज से एक बहुत बड़ा सवाल पूछती है।'

आया बरसात का मौसम सुहाना सेहत का रखें खास ख्याल

कानपुर (एसएनबी)। गर्मी की तपिश, लू-लपट के बाद बरसात का सुहाना मौसम इंसान ही नहीं, सभी जीव जंतुओं, पेड़ पौधों को भी सुकून देता है। बरसात के मौसम में आहार-विहार और दिनचर्या में परिवर्तन करके हम अपनी सेहत को अच्छा रख सकते हैं। बरसात के मौसम में अपनी सेहत की रक्षा और विभिन्न बीमारियों से मुक्ति हेतु योग एवं आयुर्वेद की दृष्टि से आहार व स्वस्थ जीवन शैली पर डॉ. रविंद्र पोरवाल ने बहुत ही सटीक जानकारी दी है। डॉ. रविंद्र पोरवाल देश के जाने-माने आयुर्वेदाचार्य हैं और श्रीनाथ आयुर्वेद संस्थान भगवत दास घाट सिविल लाइंस कानपुर के मुख्य चिकित्सक के रूप में विगत 30 वर्षों से अपनी निःस्वार्थ सेवाएं दे रहे हैं।

डॉ. रविंद्र पोरवाल
आयुष मंत्रालय के बोर्ड सदस्य व विशेषज्ञ नेचुरोपैथ

ऋतु अनुसार जीवनशैली बदलें

आयुर्वेदिक दृष्टि से मौसम को वर्षा, शरद, हेमन्त, शिशिर, बसन्त, ग्रीष्म, इन छह ऋतुओं में बांटा गया है। आयुर्वेद और योग के पूजनीय ग्रंथों और विद्वान मनीषियों ने पूरे वर्ष स्वस्थ और निरोगी रहने के लिए इन ऋतुओं के हिसाब से जीवन शैली के साथ-साथ आहार-विहार में भी परिवर्तन करने का निर्देश शास्त्रों में दिया है। खान-पान और जीवनशैली के छोटे-छोटे परिवर्तन पूरे परिवार को स्वस्थ, निरोगता और आनंद पूर्ण जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

वर्षा ऋतु में सजगता ही आरोग्यता का मार्ग

वर्षा ऋतु में शास्त्रों में बतायी गयी पथ्य और परहेज का विधिपूर्वक पालन करने से परिवार में कोई भी सदस्य जल्दी बीमार नहीं होता और जो बीमारियां गर्मी के मौसम में उत्पन्न होकर वर्षा के समय तक कष्ट दे रही हैं, उन बीमारियों का भी शमन यानी पूरी तरह ठीक हो जाती हैं। ऋतु परिवर्तन के कारण किसी प्रकार के शारीरिक, मानसिक कष्ट या समस्याएं उत्पन्न होने की संभावना नहीं रहती है। चूंकि वर्षा ऋतु में वातावरण में नमी व शीतल वायु होती है, जबकि आंतरिक शरीर में बातज प्रकोप होता है। जो परिवार सजग नहीं होता और सावधानी नहीं रखते, उन लोगों को हड्डियों व मांसपेशियों का दर्द, पेट में दर्द-मरोड़, आंतों में सूजन और मीठी-मीठी पीड़ा, सुबह उठने पर थकान, आलस के साथ-साथ शरीर के बाहरी अंगों, त्वचा पर खुजली, दाग, धब्बे, गले में खराश, बाल-कान-आंख पर भी बुरा प्रभाव डाल कर अस्वस्थता प्रदान करता है।

यह समस्याएं भी सताती हैं

एलर्जी, सर्दी, जुकाम, दमा, सांस फूलना, कफ बहुत ज्यादा बनना और अत्यधिक खांसी आना, अनेक प्रकार के कीट-पतंगों और मच्छरों के पैदा होने से विभिन्न प्रकार के बुखार मलेरिया, टाइफाइड के साथ-साथ आंव, दस्त, उल्टी आदि रोग होने की संभावना रहती है। संक्रमित बासी भोजन और प्रदूषित अशुद्ध पीने का पानी भी वर्षा ऋतु में अस्वस्थता का एक बड़ा कारण होता है।

'क्या खाएं, कैसे खाएं

वर्षा ऋतु में भूख खूब लगती है। बेसन के पकोड़े, तला मसालेदार खाना अच्छा लगता है लेकिन हमें संतुलित भोजन लेना चाहिए और भूख से ज्यादा खाना खाने से बचना चाहिए। जब भूख लगे, तभी संयमित आहार खाएं। आयुर्वेद के अनुसार बरसात के मौसम में कड़वा कसैला, तीक्ष्ण खट्टा, बहुत ज्यादा नमकीन व तैलीय भोजन नहीं करना चाहिए, क्योंकि इनसे वायु विकृत हो जाती है और कफ दोष बढ़ने लगता है, जो अनेक बीमारियों का सूत्रधार बन जाता है। इस मौसम में प्याज, लहसुन, टमाटर, अदरक, हरी मिर्च इत्यादि को किचन में प्रयुक्त होने वाले सूखे मसालों के साथ ज्यादा घी-तेल में फ्राई करके सब्जी या दाल बना कर नहीं खाना चाहिए। उड़द दाल, पूड़ी-कचौड़ी, चाट, समोसा, पकोड़ा, अमचूर की चटनी, बासी फ्रिज में रखे हुए खाद्य पदार्थों का सेवन करने से भी बचना चाहिए।

किचन में भी सावधानी रखें

भोजन में तिल का तेल या काली लाही का कड़ुवा तेल का इस्तेमाल श्रेष्ठ है। अदरक व नींबू का प्रयोग प्रतिदिन करना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां खाने से बचें या उन्हें अच्छी तरह नमक के पानी में धुल कर प्रयोग करें। इस ऋतु में फलों में आम, जामुन मौसमी फल हैं, जिनका खूब सेवन करना चाहिए। जामुन का सेवन लिवर, पेनक्रियाज, गाल ब्लैडर जैसी पाचक ग्रंथियों को रोग मुक्त कर के शक्तिशाली बनाता है। वहीं, आम बल वीर्य और शक्ति की वृद्धि करके आंतों को ताकतवर बनाता है। आम की तासीर को ठंडा करके चेप निकालकर चूसकर खाना चाहिए। आम पचने में हल्का तथा वायु व पित्तविकारों का शमन करता है।

शिवम नायर की एक्शन फिल्म में जॉन अब्राहम

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के माचो हीरो जॉन अब्राहम, शिवम नायर की एक्शन फिल्म में काम करते नजर आ सकते है।

जॉन अब्रहाम जल्द ही मोहित सूरी की फिल्म एक विलेन रिटर्न्स में नजर आने वाले हैं। जॉन अब्राहम, निर्माता शिवम नायर की फिल्म में काम करने जा रहे है। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट को प्रोड्यूसर अश्विनी वर्दे के साथ मिलकर विपुल डी शाह और राजेश बहल प्रोड्यूस करेंगे। यह एक एक्शन पैक्ड फिल्म होगी।

बताया जा रहा है कि इस फिल्म में जॉन अब्राहम जबरदस्त एक्शन करते हुए दिखाई देंगे। फिल्म की कहानी एक साधारण व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती हुई दिखाई देगी, जो असाधारण परिस्थिती में फंस जाता है। वहीं, उनके इस फिल्म के अगले साल फ्लोर पर आने की उम्मीद लगाई जा रही है। जॉन अब्राहम एक विलेन रिटर्न्स के अलावा फिल्म पठान में नजर आने वाले है।

पायल रोहतगी और रेसलर संग्राम सिंह ने की शादी

मुंबई (आईएएनएस)। टीवी अभिनेत्री पायल रोहतगी और रेसलर संग्राम सिंह शादी के बंधन में बंध गए हैं। 12 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद उन्होंने आगरा में सात फेरे लिए।

शादी से पहले पायल और संग्राम ने राजेश्वर महादेव मंदिर में पूजा करके भगवान शिव का आशीर्वाद भी लिया था। ये मंदिर 850 साल पुराना है। पायल ने इंस्टाग्राम पर शादी की कई तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह एक दूसरे के गले में माला डालते दिख रहे हैं। वहीं एक तस्वीर में पायल की मांग में संग्राम सिंदूर लगाते दिख रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए पायल ने कैप्शन में लिखा, 'पायल संग संग्राम'। शादी की फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। सुर्ख लाल रंग के जोड़े में पायल बेहद खूबसूरत लग रही हैं। वह भारी गहने पहने हुई हैं, लेकिन मेकअप लाइट रखा है। वहीं संग्राम बेज शेरवानी और मैचिंग साफा में बेहद हैंडसम लग रहे हैं। पायल और संग्राम ने 2014 में सगाई की थी।

गांधी जी के कारण पाकिस्तान में नहीं बसे प्रसिद्ध चित्रकार रजा

नई दिल्ली (वार्ता)। विश्व प्रसिद्ध चित्रकार सैयद हैदर रजा पर महात्मा गांधी की हत्या का इतना असर हुआ कि वह विभाजन के बाद पाकिस्तान नहीं गए, जबकि उनकी पत्नी और परिवार के लोग वहां बस गए। यह किस्सा मशहूर दास्तानगो महमूद फारूकी ने यहां रजा जन्मशती के अवसर पर अपने शो में सुनाया। उन्होंने अपनी दिलकश आवाज और खूबसूरत अंदाज के जरिए पद्म विभूषण से सम्मानित पेंटर सय्यद हैदर रजा को थोड़े देर के लिए पुनर्जीवित कर दिया।

पिछले 17 साल से देश भर में घूमघूम कर दास्तानगोई के हजारों शो करने वाले फारूकी ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में रजा साहब के संघर्षमय जीवन की कहानी सुनाते हुए अपनी कथाशैली से ऐसा समा बांधा कि मानों रजा साहब मंच पर खड़े हो गए हों। मण्टो से लेकर भारत पाक विभाजन पर अपनी दास्तानगोई से दर्शकों का दिल जीतने वाले फारूकी ने एक बार रजा साहब की पूरी जीवन यात्रा को शब्दों में पिरोकर लोगों का दिल फिर से जीत लिया। दून स्कूल और सेंट स्टीफन कालेज से इतिहास के छात्र रहे फारूकी ने शो शुरू करने से पहले बताया कि 17 साल पहले उन्होंने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में दास्तानगोई का सफर शुरू किया था। इस तरह उन्होंने इस विलुप्त कला को एक मुकाम पर पहुंचाया। उर्दू के दिवंगत तनकीद शमशुर्रमान फारूकी के भतीजे महमूद फारूकी ने रजा साहब के जन्म और बचपन से लेकर मुंबई में जीवन संघर्ष और फिर पेरिस में उनके बसने और अंतरराष्ट्रीय स्तर का चित्रकार बनने की कथा को हिंदी उर्दू फारसी फ्रेंच भाषा मे पिरोकर ऐसा पेश किया कि लोग मंत्रमुग्ध हो गए।

अनिल कपूर ने संजीव कुमार की बायोग्राफी

संजीव कुमार : द एक्टर वी ऑल लव्ड' लांच की

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने दिवंगत अभिनेता संजीव कुमार की बर्थ एनिवर्सरी पर उनकी बायोग्राफी 'संजीव कुमारः द एक्टर वी ऑल लव्ड' लॉन्च की।

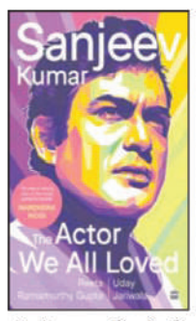

अनिल कपूर ने संजीव कुमार की बर्थ एनिवर्सरी 09 जुलाई के अवसर पर उनकी बायोग्राफी 'संजीव कुमारः द एक्टर वी ऑल लव्ड' लॉन्च की। इस किताब को संजीव कुमार के भतीजे उदय जरीवाला ने राइटर रीता रमामूर्ति गुप्ता के साथ मिलकर लिखा है। अनिल कपूर ने बुक लॉन्च इवेंट की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है और संजीव कुमार से जुड़े किस्से और यादों को लोगों से शेयर किया।

अनिल ने ट्विटर और इंस्टा स्टोरी पर इवेंट से दो तस्वीरें शेयर करते हुए खुद को सम्मानित और गर्वित बताया। उन्होंने ट्वीट में लिखा, 'हम सभी को प्यार करने वाले अभिनेता संजीव कुमार के जीवन और काम का जश्न मनाते हुए बुक लॉन्च का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है, जिनकी जयंती भी आज है इस खास मौके को याद करने का सही तरीका है। बुक लॉन्च इवेंट में अनिल कपूर ने बताया कि फिल्म 'वो सात दिन' के लिए संजीव कुमार ने 25 हजार रुपए देकर उनकी मदद की, तब जाकर फिल्म पूरी हुई थी।

कोई भी शो द कपिल शर्मा शो की जगह नहीं ले सकता : अर्चना पूरन सिंह

नई दिल्ली (आईएएनएस)। हिंदी सिनेमा जगत की जानी मानी अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह, जिन्हें अब 'इंडियाज लाफ्टर चैंपियन' (आईएसी) में शेखर सुमन के साथ जज के रूप में देखा जा रहा है। हाल ही में उन्होंने ने 'द कपिल शर्मा शो' में अपनी यात्रा के बारे में बात की है कि क्यों उन्होंने 'इंडियाज लाफ्टर चैंपियन' को जज करने का अवसर क्यों स्वीकार किया। साथ ही, अर्चना पूरन सिंह ने शेखर सुमन के बारे में अपना अनुभव साझा किया है।

आईएएनएस के साथ बातचीत में उन्होंने शेखर सुमन के साथ काम करने के बारे में बात की, 'वह एक पुराने सहयोगी हैं। उन लोगों के साथ काम करना हमेशा अच्छा होता है, जिन्हें आप जानते हैं। मुझे लगता है कि शायद वह मुझे एक न्यायाधीश के रूप में संतुलित करते हैं। मेरे हावभाव और हंसी में जब वह अधिक नियंत्रित होता है। साथ ही वह उतना या दिल से नहीं हंसता जितनी मैं, यह एक अच्छा संतुलन है।' 'द कपिल शर्मा शो' की जगह इंडियाज लाफ्टर चैंपियन ने ले ली है, जिसकी अपनी विरासत और दर्शकों के दिलों में जगह है। क्या 'इंडियाज लाफ्टर चैंपियन' की अपील वैसी हो सकती है? इस सवाल पर अर्चना पूरन सिंह कहती हैं, 'कोई भी शो द कपिल शर्मा शो की जगह नहीं ले सकता। यह अपूरणीय है। साथ ही, यह शो हमेशा इस स्लॉट पर तब तक रहने के लिए था, जब तक कि टीकेएसएस ब्रेक पर है।'

रश्मिका मंदाना 'सीता रामम' में बनेंगी आफरीन

हैदराबाद (आईएएनएस)। बकरीद के मौके पर सीता रामम के निर्माताओं ने रश्मिका मंदाना की एक झलक साझा की, जो आफरीन का किरदार निभा रही हैं। रश्मिका मंदाना की विशेषता वाला एक पोस्टर बकरीद पर जारी किया गया। निर्माताओं ने सभी के खुशहाली की कामना की। एक पारंपरिक हिजाब पहने हुए रश्मिका पोस्टर में 'सलाम' करते हुए नजर आ रही हैं।

रश्मिका मंदाना दुलारे सलमानस्टारर सीता रामम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आएंगे। उनका किरदार आफरीन एक मुस्लिम किशोरी का है, जो कथानक में एक महत्वपूर्ण मोड़ जोड़ती है। निर्माताओं के अनुसार अभिनेत्री न केवल तस्वीर में स्टार पावर जोड़ेगी, बल्कि वह भूमिका में अपनी अभिनय क्षमताओं का भी प्रदर्शन करेगी। सीता रामम 5 अगस्त को रिलीज होगी। अब तक निर्मित प्रचार सामग्री ने दर्शकों में फिल्म के बारे में सकारात्मक चर्चा पैदा की है, जिससे हनु राघवपुडी के निर्देशन में मदद मिली है। मृणाल ठाकुर को सीता रामम में एक और महत्वपूर्ण भूमिका में देखा जाएगा, जिसे पृष्ठभूमि में युद्ध के साथ एक क्लासिक रोमांटिक ड्रामा कहा जा रहा है।

शूटिंग के दौरान दिखा आलिया का बेबी बंप

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेत्री आलिया भट्ट की गैल गैडोट अभिनीत फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' की शूटिंग की तस्वीरों ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया, क्योंकि प्रशंसकों ने उनका बेबी बंप देखा। आलिया भट्ट ने शुक्रवार को गैल गैडोट और जेमी डॉर्ननस्टारर की शूटिंग पूरी की और टीम के लिए धन्यवाद नोट भी साझा किया। पुर्तगाल में फिल्म के सेट से तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैन क्लबों द्वारा साझा की गईं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर की गई कुछ तस्वीरों में आलिया खाकी जंपसूट में दिन के उजाले में रेगिस्तान जैसी सेटिंग में नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में हॉलीवुड स्टार गैल गैडोट भी फ्रेम में नजर आ रही हैं। गैल ने एक दृश्य में एक सफेद टैंक टॉप पहना था, इसे दूसरे फ्रेम में एक काले जैकेट के साथ कवर किया था। 'हार्ट ऑफ स्टोन' का निर्देशन टॉम हार्पर ने किया है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

कंपनियों के तिमाही नतीजों पर नजर

शेयर समीक्षा: महंगाई आंकड़ों का शेयर बाजार पर रहेगा असर

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के परिणाम तथा थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़ों का असर रहेगा। विशेषज्ञों ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक रुझान और विदेशी कोषों का रुख भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। विश्लेषकों का कहना है कि बाजार भागीदारों की निगाह इसके साथ ही रुपए के उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी।

इस सप्ताह बाजार भागीदार सबसे पहले शुक्रवार शाम जारी हुए टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज टीसीएस के तिमाही नतीजों पर प्रतिक्रिया देंगे। इसके अलावा 12 जुलाई को औद्योगिक उत्पादन आईआईपी और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति सीपीआई तथा 14 जुलाई को थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति डब्ल्यूपीआई के आंकड़े आने हैं।

घरेलू घटनाक्रमों के अलावा अमेरिकी बाजारों का रुख तथा कच्चे तेल के दाम निवेशकों की रडार पर रहेगा। इस सप्ताह के दौरान एसीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, जिंदल स्टील एंड पावर, माइंड ट्री, फेडरल बैंक और एचडीएफसी बैंक भी अपने जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगे। वैश्विक मोर्चे पर बात की जाए तो बाजार भागीदारों की निगाह अमेरिका के बहुप्रतीक्षित मुद्रास्फीति के आंकड़ों और बेरोजगारी दावों पर रहेगी।

अमेरिका के सीपीआई, आईआईपी और रोजगार के आंकड़े बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगे। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों एफपीआई का रुख, रुपए की दिशा और कच्चे तेल के दाम भी बाजार की चाल तय करेंगे। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1573.91 अंक उछलकर 54481.84 अंक और एनएसई का निफ्टी 468.55 अंक की तेजी के साथ 16220.60 अंक पर रहा।

एफपीआई की निकासी की रफ्तार में आई कमी

भारतीय शेयर बाजारों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी का सिलसिला जुलाई में भी जारी है। हालांकि, अब एफपीआई की बिकवाली की रफ्तार कुछ धीमी पड़ी है। डॉलर में मजबूती और अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बीच एफपीआई ने जुलाई में 4000 करोड़ रुपए से अधिक के शेयर बेचे हैं। कच्चे तेल के दाम नीचे आने के बीच मुद्रास्फीति घटने की उम्मीद के चलते बाजार धारणा में सुधार हुआ है। रिजर्व बैंक के रुपए की गिरावट को थामने के प्रयास से भी धारणा बेहतर हुई है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एक से आठ जुलाई के दौरान एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों से शुद्ध रूप से 4096 करोड़ रुपए की निकासी की है। हालांकि, पिछले कई सप्ताह में छह जुलाई को पहली बार ऐसा मौका आया जबकि एफपीआई द्वारा 2100 करोड़ रुपए की लिवाली की गई।

टॉप-10 में से आठ कंपनियों की बाजार पूंजी 1.81 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

एचयूएल को सबसे अधिक लाभ

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों की बाजार पूंजी में बीते सप्ताह 181209.89 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में हिंदुस्तान यूनिलीवर रही। समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर को सबसे अधिक फायदा हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 50058.05 करोड़ रुपए बढ़कर 586422.74 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 35956.8 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 525656.96 करोड़ रुपए रहा। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 23940.12 करोड़ रुपए बढ़कर 775832.15 करोड़ रुपए और जीवन बीमा निगम एलआईसी की 19797.24 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 447841.46 करोड़ रुपए रही। भारतीय स्टेट बैंक की बाजार हैसियत 19232.55 करोड़ रुपए बढ़कर 435922.66 करोड़ रुपए पर और इन्फोसिस की 15126.4 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 637033.78 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 12000.08 करोड़ रुपए बढ़कर 381833.20 करोड़ रुपए पर और एचडीएफसी का 5098.65 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 406213.61 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस रुख के उलट टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 18770.93 करोड़ रुपए घटकर 1194625.39 करोड़ रुपए पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत भी 11805.14 करोड़ रुपए घटकर 1617879.36 करोड़ रुपए रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

एमएफ कंपनियों ने 51 लाख खाते जोड़े

नई दिल्ली। अप्रैल-जून तिमाही के दौरान परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों ने म्यूचुअल फंड 51 लाख निवेशक खाते जोड़े हैं। इससे इनकी कुल संख्या 13.46 करोड़ हो गई। विशेषज्ञों को उम्मीद है कि म्यूचुअल फंड के बारे में जागरूकता के प्रसार और डिजिटलीकरण के जरिये लेनदेन में सुगमता से चालू वित्त वर्ष में फोलियो की संख्या और बढ़ेगी।

कुल संख्या 13.46 करोड़ हुई

म्यूचुअल फंड कंपनियों के संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया एम्फी के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च तिमाही में 93 लाख खाते खोले गए थे। जबकि पिछले 12 महीने के दौरान 3.2 करोड़ खाते जोड़े गए हैं। हालांकि, मार्च तिमाही की तुलना में अप्रैल-जून के दौरान खातों की संख्या में बढ़ोतरी कम थी, लेकिन इसमें वृद्धि हुई। यह इस बात का संकेत है कि निवेशकों ने बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेश करना जारी रखा है। विशेषज्ञों के अनुसार रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे भू-राजनीतिक संकट, बढ़ती महंगाई, ब्याज दरों पर केंद्रीय बैंकों के कड़े कदम कुछ ऐसे कारण हैं जिनके चलते फोलियो की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

स्पाइसजेट से अलग होगी स्पाइस एक्सप्रेस

अगस्त तक पूर्ण होगी प्रक्रिया

नई दिल्ली। स्पाइसजेट और स्पाइस एक्सप्रेस अलग होने जा रही हैं। बैंकों और शेयरधारकों ने स्पाइसजेट एयरलाइन से कार्गो

और लॉजिस्टिक कंपनी स्पाइस एक्सप्रेस को अलग करने की मंजूरी दे दी है। यह जानकारी कंपनी के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि यह विभाजन अगस्त के पहले सप्ताह तक पूरा हो जाएगा। स्पाइसजेट इस समय नियामकीय जांच के घेरे में है। पांच दिन पहले एयरलाइन को नागर विमानन महानिदेशालय डीजीसीए ने कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, क्योंकि उसके विमानों में 19 जून से तकनीकी खराबी की कम से कम आठ घटनाएं हुई हैं। डीजीसीए ने कहा कि एयरलाइन सुरक्षित, कुशल और भरोसेमंद हवाई सेवाएं देने में विफल रही है। एयरलाइन पिछले चार साल से घाटे में चल रही है। स्पाइसजेट ने पिछले साल 17 अगस्त को कहा था कि वह कार्गो और लॉजिस्टिक सेवाओं की अपनी अनुषंगी कंपनी स्पाइस एक्सप्रेस को बिक्री के आधार पर अलग करेगी। कंपनी ने बताया कि इससे उसे स्वतंत्र रूप से धन जुटाने और तेजी से वृद्धि हासिल करने में मदद मिलेगी।

इंडिगो के कर्मचारी बड़ी संख्या में सामूहिक छुट्टी पर

नई दिल्ली। पायलटों और केबिन क्रू के बाद अब इंडिगो को कुछ स्टेशन्स पर अपने एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस टेक्निशियंस से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक अच्छा इंक्रीमेंट नहीं होने के विरोध में बड़ी संख्या में टेक्निशियंस ने हैदराबाद और दिल्ली जैसे प्रमुख केंद्रों पर सामूहिक अवकाश लिया है। हालांकि इंडिगो की तरफ से अब तक इस मामले पर कोई जवाब नहीं आया है। कुछ टेक्निशियंस ने आठ जुलाई को हैदराबाद में नाइट शिफ्ट के लिए रिपोर्ट नहीं किया। एयरलाइन हैदराबाद और दिल्ली में स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रही है। टेक्निशियंस के मास लीव के कारण अभी तक फ्लाइट में देरी की कोई सूचना नहीं है। एयरलाइन ने इस समस्या से निपटने के लिए पर्याप्त उपाय किए हैं।

इस साल छोटी कंपनियों का कमजोर प्रदर्शन

निवेशकों को अब तक 13 प्रतिशत का नुकसान

नई दिल्ली। साल 2022 में अब तक पहली छमाही में शेयर बाजार में गिरावट के बीच छोटी कंपनियों का कमजोर प्रदर्शन रहा है। आंकड़ों पर नजर डाले तो मिडकैप व स्मॉलकैप के निवेशकों को 13 फीसदी का नुकसान हुआ है।

सेंसेक्स की तुलना में मिड व स्मॉलकैप का प्रदर्शन खराब रहा है। बीएसई का स्मॉलकैप सूचकांक इस साल अबतक 3816.95 अंक यानी 12.95 प्रतिशत और मिडकैप 2314.51 अंक यानी 9.26 फीसदी गिरा है। इसकी तुलना में 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में 3771.98 अंक या 6.47 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस साल 20 जून को बीएसई स्मॉलकैप अपने 52 सप्ताह के निचले स्तर 23261.39 अंक पर आ गया था। यह 18 जनवरी को अपने एक साल के शिखर 31304.44 अंक पर था। इसी तरह

मिडकैप भी 20 जून को अपने 52 सप्ताह के निचले स्तर 20814.22 अंक तक गिर गया था। यह पिछले साल 19 अक्टूबर को अपने एक साल के उच्चस्तर 27246.34 तक चढ़ गया था। सेंसेक्स इस साल 17 जून को 52 सप्ताह के निचले स्तर 50921.22 अंक तक फिसल गया था। 19 अक्टूबर, 2021 को सेंसेक्स अपने एक साल के उच्चस्तर 62245.43 अंक पर पहुंच गया था।

खराब दौर में गिरावट सामान्य बात

विशेषज्ञों का कहना है कि अच्छे समय में छोटी कंपनियों के शेयर लार्ज कैपषकी तुलना में ज्यादा चढ़ते हैं। ऐसे में मौजूदा खराब दौर में इनमें कहीं अधिक करेक्शन सामान्य बात है। भू-राजनीतिक तनाव, महंगाई की चिंताओं और विदेशी कोषों की जबर्दस्त बिकवाली के बीच इस साल शेयर बाजारों को कई प्रतिकूल परिस्थितियों से जूझना पड़ा है। इन चुनौतियों की वजह से घरेलू और वैश्विक बाजारों में बेचैनी है।

2021 में दिया था 63 फीसदी फायदा

छोटी कंपनियों के शेयरों ने 2021 में शानदार प्रदर्शन करते हुए निवेशकों को 63 प्रतिशत का प्रतिफल दिया था। 2021 में मिडकैप 7028.65 अंक या 39.17 प्रतिशत चढ़ा था, जबकि स्मॉलकैप 11359.65 अंक या 62.76 प्रतिशत उछला था। इसकी तुलना में सेंसेक्स पिछले साल 10502.49 अंक या 21.99 प्रतिशत के लाभ में रहा था।

फिलहाल दबाव में रहेंगे आईटी शेयर

विश्लेषकों का अनुमान

नई दिल्ली। विश्लेषकों ने अनुमान जाहिर करते हुए कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी आईटी कंपनियों के शेयरों पर अभी दबाव बने रहने का अनुमान है। प्रमुख वैश्विक बाजारों में बिगड़ती आर्थिक स्थिति और वित्तीय बाजार में उतार-चढ़ाव के चलते ऐसा होने की आशंका है। विश्लेषकों का मानना है कि विनिमय दर में उतार-चढ़ाव और बड़े पैमाने पर प्रतिभा की कमी के चलते वेतन बढ़ाने की चुनौतियों से परिचालन मार्जिन पर असर पड़ रहा है। हालांकि, कोई भी निष्कर्ष निकालना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन ब्रिटेन में चल रहे घटनाक्रम पर भी सभी की बारिक नजर है। वहां तेजी से बदले राजनीतिक घटनाक्रम में भारतीय मूल के ऋषि सुनक प्रधानमंत्री बनने के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। सुनक इन्फोसिस के सह संस्थापक एन आर नारायण मूर्ति के दामाद हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका और यूरोप में व्यापक आर्थिक वातावरण खराब होने के संकेत हैं और इसका असर आईटी क्षेत्र पर पड़ेगा। आईटी शेयरों के दबाव में रहने की आशंका है।

इस साल 43 फीसदी लुढ़के आईटी शेयर

यही वजह है कि 30 शेयरों वाले सेंसेक्स के पांच आईटी शेयर इस साल 43 फीसदी तक लुढ़क गए हैं। वर्ष 2022 में अब तक टेक महिंद्रा 42.68 फीसदी, विप्रो 41.38 फीसदी और एचसीएल टेक्नोलॉजीज 25.38 फीसदी तक गिर चुका है। टीसीएस और इन्फोसिस में क्रमशः 12.63 प्रतिशत और 19.87 प्रतिशत गिरावट आई है। निकट भविष्य में विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के कारण आईटी कंपनियों को कुछ हद तक मार्जिन दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

सेबी बाजार प्रकटीकरण लाने की तैयारी में

निवेशकों को सही निर्णय लेने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली । बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड सेबी बाजार के रुझानों पर नियमित रूप से जोखिम कारक प्रकटीकरण जारी करने की योजना बना रहा है। इसमें चढ़ाव और गिरावट, दोनों तरह के रुझान शामिल है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन प्रकटीकरण से निवेशकों को सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी। यह कदम अभी चर्चा के प्रारंभिक चरण में है, जिससे निवेशकों को एक झुंड की मानसिकता से बचने में मदद मिल सकती है। खासतौर से महामारी के दौरान 2020 की शुरुआत में देखने को मिला कि निवेशकों ने घबराहट में बिकवाली की और उसके बाद जल्दी से अमीर होने के लालच में बड़े पैमाने पर खरीदारी की, जिससे उन्हें नुकसान हुआ। इस दौरान खासतौर से बड़ी संख्या में आए आईपीओ में और साथ ही वायदा तथा विकल्प खंड में निवेशकों को नुकसान हुआ। एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, निवेशकों ने प्रत्येक चक्र में एक निश्चित रुझान देखा, यानी, जब शेयर चल रहा होता है, तो हर कोई उसे खरीदने के लिए दौड़ता है और फिर संकट आने पर वे घबराहट में बिक्री करते हैं। पूंजी बाजार में निवेश की मूल बातों को हमेशा नजरअंदाज किया जाता है और इसका एक प्रमुख कारण स्वतंत्र अंतर्दृष्टि की कमी है। सेबी जिस विचार पर काम कर रहा है, उसकी व्याख्या करते हुए एक उच्च स्तरीय सूत्र ने कहा, अब वक्त आ गया है कि सेबी उन मामलों पर प्रकटीकरण करके उदाहरण पेश करे, जो बड़े पैमाने पर निवेशकों के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

निवेशकों को नियामक से मिलेंगे आंकड़े

इस योजना में शामिल एक सूत्र ने कहा, मौजूदा नियमों के तहत एक साधारण वाक्य अनिवार्य है कि कुछ निवेश बाजार जोखिमों के अधीन हैं, जो बहुत अधिक घिसा-पिटा हो गया है और यह अब काम नहीं करता है। वक्त की जरूरत है कि निवेशकों को कुछ विस्तृत आंकड़े मिलें, वह भी नियामक से। सिर्फ उनके फंड प्रबंधकों से नहीं, जिनका मुख्य उद्देश्य अपने व्यवसायों को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यह नियामक की जिम्मेदारी है कि सभी जरूरी खुलासे किए जाएं और तय हो कि बाजार सहभागियों को उनके बारे में कैसे बताना चाहिए। सूत्र ने कहा कि यह नियामक का कर्तव्य है कि वह निवेशकों और सभी बाजार भागीदारों को बताए कि उसकी समझ क्या है।

मिलों को कच्चे जूट की आपूर्ति में देरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिणी हिस्से में जूट उत्पादक जिलों में बारिश की कमी के कारण मिलों को जूट फाइबर की आपूर्ति धीमी हो गई है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। हालांकि, मिलें 2022-23 सत्र के उत्पादन के लिए कच्चे जूट

का भंडार तैयार करने के लिए तैयार हैं, लेकिन राज्य के दक्षिणी जिलों में वर्षा की कमी के कारण पौधों की रीटिंग प्रक्रिया बाधित हो गई है। जूट के रेशों को अलग करने की प्रक्रिया को रैटिंग कहते हैं। जूट बेलर्स एसोसिएशन के सचिव एके पालित ने कहा, बाजार में कच्चे जूट की आपूर्ति अभी तक तेजी से शुरू नहीं हुई है। दक्षिण बंगाल में बारिश की कमी के कारण जुलाई के तीसरे और चौथे सप्ताह तक इसमें देरी होने का अनुमान है। हालांकि पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से में अच्छी बारिश हुई है और वहां से जल्द ही कच्चा जूट आने की उम्मीद है।

मिलों को एकजुट करने की योजना : कोयंबटूर। तमिलनाडु में सूती अवशेष को धागे और वस्त्र में पुनर्चक्रित करने वाली 200 से अधिक छोटी मिलों ने एक साथ आकर एक पुनर्चक्रण कपड़ा संघ का गठन किया है। पुनर्चक्रण कपड़ा संघ के अध्यक्ष जयबल ने रविवार को एक बयान में कहा, जिन बाजारों में हमारे उत्पादों और सेवाओं की मांग है, उस बारे में अपने सदस्यों के बीच जागरुकता पैदा करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मारुति की बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया की देश में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए कंपनी दोतरफा रणनीति अपनाएगी। इसके तहत गैर एसयूवी खंड में अपनी बाजार हिस्सेदारी को बचाने और बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। साथ ही एसयूवी खंड में विस्तार की पूरी कोशिश की जाएगी, जहां कंपनी फिलहाल प्रतिस्पर्धा में पीछे है। एमएसआई के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक विपणन एवं बिक्री शशांक श्रीवास्तव ने कहा, मकसद एकदम साफ है, हमें अधिक एसयूवी हिस्सेदारी हासिल करते हुए गैर एसयूवी खंड में बाजार हिस्सेदारी को बचाने और बढ़ाने की जरूरत है। कंपनी का लक्ष्य घरेलू यात्री कार बाजार में एक बार फिर 50 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है। पिछले वित्त वर्ष के अंत में मारुति सुजुकी की बाजार हिस्सेदारी करीब 43 प्रतिशत थी कंपनी का लक्ष्य घरेलू यात्री कार बाजार में एक बार फिर 50 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है। पिछले वित्त वर्ष के अंत में मारुति सुजुकी की बाजार हिस्सेदारी करीब 43 प्रतिशत थी।

स्टील एक्सचेंज इंडिया 600 करोड़ रुपए जुटाएगी

मुम्बई। लोहा और इस्पात निर्माता कंपनी स्टील एक्सचेंज इंडिया के निदेशक मंडल ने धन जुटाने के विभिन्न माध्यमों से 600 करोड़ रुपए जुटाने की मंजूरी दी है। बोर्ड ने कंपनी के इक्विटी शेयरों के विभाजन प्रस्ताव को 10 रुपए के अंकित मूल्य से 1 रुपए प्रत्येक के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों में मंजूरी दे दी है। जिसमें 12 जुलाई 2022 से ट्रेड किया जाएगा। कंपनी इक्विटी शेयरों या परिवर्तनीय डिबेंचर, वारंट, असुरक्षित, सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर, एक संयोजन में परिवर्तनीय प्रतिभूतियों को जारी करने के माध्यम से राइट्स इश्यू या एफपीओ सार्वजनिक पेशकश, निजी प्लेसमेंट, क्यूआईपी के माध्यम से तक या किसी अन्य माध्यम से धन जुटाएगी। कंपनी के आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में सबसे बड़े निजी एकीकृत इस्पात संयंत्र हैं।

राजस्थान के मंडोर में हैं घूमने लायक कई जगहें, एक बार जरूर जाएं

मंडोर, ब्लू सिटी जोधपुर से 9 किलोमीटर उत्तर की ओर स्थित एक शहर है। पौराणिक रूप से, मंडोर को मंदोदरी (रामायण में रावण की पत्नी) का जन्मस्थान कहा जाता है। ऐतिहासिक रूप से, यह राठौड़ कबीले की राजधानी थी। मंडोर गार्डन के आकर्षण मंडोर गार्डन के अंदर के वास्तुशिल्प चमत्कारों को देखकर आपको बहुत आश्चर्य होगा। आज के इस लेख में हम आपको मंडोर के आस-पास स्थित पर्यटन स्थलों की जानकारी देंगे -

जोधपुर से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित, मंडोर जोधपुर शहर की स्थापना से पहले मारवाड़ की राजधानी थी। आज, मंडोर उद्यान जोधपुर के पिछले शासकों के घर हैं। गहरे लाल बलुआ पत्थर से निर्मित, बगीचों का एक आकर्षण महाराजा धीरज अजीत सिंह की छत्री, बौद्ध और जैन वास्तुकला का एक सुंदर समामेलन है। बगीचे के परिसर में कई मंदिर और मंदिर खंडहर हैं, जो यहाँ आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

मेहरानगढ़ किला अपनी शानदार वास्तुकला और इससे जुड़े विविध इतिहास के कारण जोधपुर में स्थान का गौरव रखता है। राजस्थान के सबसे दुर्जेय और शानदार किलों में से एक माना जाने वाला, मेहरानगढ़ किला राव जोधा द्वारा वर्ष 1459 में बनाया गया था। यह किला 5 किमी के क्षेत्र में फैला हुआ है और जोधपुर शहर के बाहरी इलाके में 125 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना है। इसमें सात द्वार हैं, जिनका उपयोग मेहरानगढ़ किले में प्रवेश के लिए किया जा सकता है। ये 7 द्वार विभिन्न शासकों द्वारा बनाए गए हैं और बीकानेर और जयपुर सेनाओं पर जीत के सम्मान में बनाए गए हैं। मेहरानगढ़ किले में स्थित मुख्य महल मोती महल, फूल महल, शीश महल, जेना डूड, तख्त विलास और झाँकी महल हैं। किले के अंदर दो मंदिर भी स्थित हैं - चामुंडी देवी मंदिर और नागणेचियाजी मंदिर, जो क्रमशः देवी दुर्गा और कुलदेवी को समर्पित हैं। मेहरानगढ़ किले के भीतर एक संग्रहालय भी है, जिसमें पालकी, संगीत वाद्ययंत्र, शाही पालना, वेशभूषा, हथियार, फर्नीचर और चित्रों का एक समृद्ध संग्रह है।

उम्मेद भवन पैलेस, दुनिया का सबसे बड़ा निजी आवास है। इसमें 372 कमरे, लकड़ी से बने पुस्तकालय, निजी संग्रहालय, इनडोर स्विमिंग पूल, बिलियर्ड्स कमरा, टेनिस कोर्ट और अद्वितीय संगमरमर स्क्वैश कोर्ट हैं। ये सभी चीजें उम्मेद भवन पैलेस को शहर की सबसे शानदार संरचनाओं में से एक बनाती हैं। यह महल जोधपुर के किसानों को रोजगार देने के उद्देश्य से बनाया गया था। यह 1928 और 1943 के बीच महाराजा उम्मेद सिंह के शासनकाल में बनाया गया था। उम्मेद भवन पैलेस प्रसिद्ध वास्तुकला, हेनरी लैनचेस्टर द्वारा डिजाइन किया गया था, और पूर्वी और पश्चिमी वास्तुशिल्प प्रभावों का मिश्रण दिखाता है। इसका राजसी 105 - फुट ऊंचा कपोला पुनर्जागरण से प्रभावित है, जबकि टॉवर राजपूत परंपरा से प्रेरणा लेते हैं।

बैंक अधिकारी तैयार करेगा आईबीए

सलाहकार कंपनियों से मंगाई बोलियां

नई दिल्ली। भारतीय बैंक संघ आईबीए बड़ी संख्या में बैंक के शीर्ष पदों के लिए अधिकारियों को प्रशिक्षण देगा और ऐसे अधिकारी तैयार करेगा जो बैंकों का नेतृत्व करने में सक्षम हो। इसके लिए

आईबीए ने सलाहकार कंपनियों और संस्थानों से बोलियां आमंत्रित की हैं।चयनित इकाई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम डिजाइन करेगी। यह इकाई अधिकारियों को प्रशिक्षण भी देगी। इन अधिकारियों में महाप्रबंधक और उपमहाप्रबंधक शामिल हैं। वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो एफएसआईबी ने आईबीए से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए एजेंसी के चयन का अनुरोध किया है। एफएसआईबी भारत सरकार का स्वायत्त निकाय है। इस निकाय को अन्य कार्यों के अलावा राष्ट्रीयकृत बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों के प्रबंधक स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षित करने की भी जिम्मेदारी दी गई है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के अधिकारियों की ऐसी टीम तैयार करना है जो आगे चलकर शीर्ष प्रबंधन स्तर का पद संभाल सकें या निदेशक मंडल में बड़ी भूमिका संभालने के लिए तैयार रहें। बोली जमा करने की अंतिम तारीख 30 जुलाई है।

एफएमसीजी कंपनियों को बिक्री में सुधार की उम्मीद

नई दिल्ली। एफएमसीजी कंपनियों को बिक्री व मार्जिन में सुधार की उम्मीद है। कंपनियों को यह उम्मीद जिंस के दाम घटने के बाद जगी है। इसके चलते कंपनियां एफएमसीजी कीमतों में स्थिरता से ग्रामीण के साथ-साथ शहरी मांग में सुधार की उम्मीद कर रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के अंतिम महीने में एफएमसीजी कंपनियां सालाना आधार पर अपने सकल मार्जिन में बेहतर वृद्धि की उम्मीद कर सकती हैं।

पारले प्रोडक्ट्स के वरिष्ठ श्रेणी प्रमुख मयंक शाह ने कहा कि जिंस कीमतें अब अपने उच्चस्तर से 15 से 20 प्रतिशत नीचे आ चुकी हैं। ऐसे में ऊंची मुद्रास्फीति की वजह से प्रभावित रही एफएमसीजी कंपनियों को अब कुछ राहत मिली है। ज्यादातर कंपनियां चरणबद्ध तरीके से मूल्यवृद्धि करती हैं। ऐसे में अब हमें और मूल्यवृद्धि या पैकेटबंद सामग्री के वजन में कटौती देखने को नहीं मिलेगी। वहीं गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स को आगामी तिमाही में उपभोग और सकल मार्जिन में सुधार की उम्मीद है।

छमाही में घरों की कीमत सात फीसदी बढ़ी

बिक्री में ढाई गुना इजाफा : रिपोर्ट

नई दिल्ली । मांग में सुधार और निचले आधार प्रभाव की वजह से चालू साल की पहली जनवरी-जून की छमाही के दौरान दिल्ली-एनसीआर में घरों की बिक्री सालाना आधार पर ढाई गुना हो गई है। इस दौरान आवास कीमतों में करीब सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। संपत्ति सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल की पहली जनवरी-जून की छमाही में दिल्ली-एनसीआर में आवासीय संपत्तियों की बिक्री ढाई गुना होकर 29101 इकाई पर पहुंच गई। 2021 की समान अवधि में आवासीय इकाइयों की बिक्री 11474 इकाई रही थी। उल्लेखनीय है कि 2021 की पहली छमाही में घरों की बिक्री कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से बुरी तरह प्रभावित हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में नए मकानों की पेशकश कई गुना बढ़कर 28726 इकाई पर पहुंच गई, जो जनवरी-जून, 2021 में 2943

इकाई रही थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि सालाना आधार पर इस अवधि में घरों के दाम सात प्रतिशत बढ़कर 4437 रुपए प्रति वर्ग फुट हो गए। वहीं बिना बिकी आवासीय संपत्तियां छह प्रतिशत घटकर 95811 इकाई रह गई।

आवास बाजार में तेजी

रिपोर्ट कहती है, 2022 की पहली छमाही में एनसीआर के आवास बाजार में तेजी रही। छमाही के दौरान दिल्ली-एनसीआर में कुल 29101 आवासीय संपत्तियां बेची गईं। 2013 की दूसरी छमाही के बाद से यह किसी एक छमाही में बिक्री का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लागत में बढ़ोतरी की वजह से कई रियल एस्टेट कंपनियों ने पिछली कुछ तिमाहियों के दौरान घरों की कीमतों में वृद्धि की है।

जोकोविच सातवीं बार बने विंबलडन चैंपियन

लगातार चौथी बार जीता खिताब

लंदन (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने रविवार को हाई वोल्टेज फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस को चार सेटों के बेहद रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-4, 7-6(3) से हराकर सातवीं बार विंबलडन का पुरुष एकल खिताब जीत लिया।शीर्ष वरीय जोकोविच ने लगातार चौथी बार यह खिताब जीता है। जोकोविच ने 2011, 2014, 2015, 2018, 2019, 2021, 2022 में यह खिताब जीता है।

अपने सातवें खिताब के साथ जोकोविच ने अमेरिका के पीट सम्प्रास के एकल खिताबों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अपने 21वें ग्रैंड स्लेम खिताब के साथ जोकोविच अब स्पेन के राफेल नडाल के 22 ग्रैंड स्लेम खिताबों के रिकॉर्ड से एक कदम पीछे रह गए हैं। पहली बार ग्रैंड स्लेम फाइनल खेल रहे किर्गियोस ने पहले सेट में अपनी क्लास दिखाकर जोकोविच को चौंका दिया। लेकिन मैराथन मैन के नाम से मशहूर जोकोविच ने इसके बाद शानदार वापसी करते हुए अगले तीन सेट जीतकर मैच तीन घंटे एक मिनट में निपटा दिया। टॉप सीड ने दूसरे और तीसरे सेट में महत्वपूर्ण मौकों पर किर्गियोस की सर्विस तोड़ी और चौथे सेट के टाई ब्रेक को 7-3 से जीत लिया। उन्होंने इस जीत के साथ विंबलडन में अपने विजय क्रम को 28 मैच पहुंचा दिया है। जोकोविच की टूर स्तर पर किर्गियोस के खिलाफ तीन मुकाबलों में यह पहली जीत है। किर्गियोस ने इससे पहले जोकोविच से अपने पिछले दोनों मुकाबले जीते थे लेकिन इस मैच में किर्गियोस अपने आप से, दर्शकों से, चेयर अम्पायर से और जोकोविच के शक्तिशाली ग्राउंड स्ट्रोक्स से संघर्ष करते नजर आये। पहले सेट में किर्गियोस ने शानदार सर्व करते हुए जीत हासिल की। लेकिन वह इस लय को बरकरार नहीं रख पाए। जोकोविच ने दूसरे और तीसरे सेट को आसानी से अपने नाम किया।

जोकोविच के ग्रैंड स्लैम खिताब

फ्रेंच ओपन	02
यूएस ओपन	03
ऑस्ट्रेलियन ओपन	09
विंबलडन	07

जोकोविच का 21वां ग्रैंड स्लैम खिताब, रोजर फेडरर को पीछे छोड़ा

यह नोवाक जोकोविच का 7वां विंबलडन और 21वां ग्रैंड स्लैम खिताब है। उन्होंने सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के मामले में स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर को पीछे छोड़ दिया है। फेडरर ने अभी तक 20 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। सबसे ज्यादा 22 खिताब जीतने का रिकॉर्ड स्पेन के राफेल नडाल के पास है। इस साल की शुरुआत में तीनों खिलाड़ियों के नाम 20-20 खिताब थे। नडाल ने ऑस्ट्रेलियन और फ्रेंच ओपन जीता। विंबलडन में वह सेमीफाइनल से पहले पेट में चोट की वजह से बाहर हो गए। दूसरी वरीय सर्बिया के नोवाक जोकोविच रिकॉर्ड 32वां ग्रैंड स्लैम फाइनल खेल रहे थे जबकि किर्गियोस करियर के पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेलने उतरे थे, लेकिन उन्हें पहली बार चैंपियन बनने के लिए इंतजार करना होगा।

टीम के विफल होने से सूर्या का शतक बेकार, जीते अंग्रेज

सूर्या के 55 गेंदों पर 117, टीम से नहीं बने 65 गेंद पर 99 रन

नाटिंघम (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव के विस्फोटक शतक (117) के बावजूद भारत को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी 20 में रविवार को 17 रन से हार का सामना करना पड़ा। सूर्या ने जहां 55 गेंदों पर 117 रन जड़े, वहीं बाकी 10 खिलाड़ी मिलकर भी 65 गेदों पर 99 रन नहीं बना सके। भारत ने इस हार के बावजूद तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। इंग्लैंड ने मलान (77) के विस्फोटक अर्धशतक और लियाम लिविंग्स्टन की नाबाद 42 रन की बेहतरीन पारी से 20 ओवर में सात विकेट पर 215 रन का मजबूत स्कोर बनाया जबकि भारतीय टीम सूर्य के शानदार शतक के बावजूद नौ विकेट पर 198 रन ही बना सकी। सूर्य ने मात्र 55 गेंदों की अपनी शतकीय पारी में 14 चौके और छह छक्के लगाए। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

इंग्लैंड के ओपनरों जैसन रॉय और कप्तान जोस बटलर ने भारतीय टीम में भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह के न होने का पूरा फायदा उठाते हुए इंग्लैंड को 31 रन की अच्छी शुरुआत दी। बटलर ने 18 रन जबकि रॉय ने 27 रन बनाए। मलान ने विस्फोटक अंदाज में खेलते हुए मात्र 39 गेंदों पर 77 रन जड़े। मलान ने लिविंग्स्टन के साथ 84 रन की मजबूत साझेदारी की।

टी-20 में एक साल में सबसे ज्यादा छक्के खाने वाले भारतीय गेंदबाज

24:	हर्षल	(2022)*
22:	चहल	(2017)
21:	चहल	(2018)
19:	कुणाल	(2019)
18:	जडेजा	(2016)

भारतीय शीर्ष क्रम बिखरा

पूरी पारी में अकेले ही सूर्या इंग्लैंड के गेंदबाजों से भिड़ गए थे। अकेले दम पर उन्होंने लगभग मैच को बराबरी पर ला खड़ा कर दिया था। 19वें ओवर में बटलर ने जुआ खेलते हुए मोईन को गेंद दी, पहली तीन गेंदों पर लगा कि यह फैसला कहीं गलत न साबित हो जाए क्योंकि उन तीन गेंदों में सूर्या ने 16 रन बटोर लिए थे, लेकिन ओवर की पांचवीं गेंद पर सूर्या के आउट होते मैच भारत के लिए लगभग खत्म हो गया था। भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। ऋषभ पंत एक, विराट कोहली 11 और कप्तान रोहित शर्मा 11 रन बनाकर आउट हो गए। श्रेयस अय्यर ने भारत की तरफ से दूसरे सर्वाधिक 28 रन बना। अय्यर और सूर्यकुमार ने 62 गेंदों पर 119 रन की साझेदारी की लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। रीस टॉप्ली को तीन विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला जबकि भारत के भुवनेश्वर कुमार प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड टीम	रन	गेंद	4/6
जेसन रॉय कै. पंत बो. उमरान	27	26	1/2
जॉस बटलर बो. आवेश	18	09	2/1
डेविड मलान कै. पंत बो. बिश्नोई	77	39	6/5
फिल सॉल्ट बो . हर्षल	08	06	1/0
लियाम लिविंगस्टोन नाबाद	42	29	0/4
मोईन अली कै. हर्षल बो. बिश्नोई	00	01	0/0
हैरी ब्रूक कै. बिश्नोई बो. हर्षल	19	09	3/0
क्रिस जॉर्डन रन आउट	11	03	1/1

अतिरिक्त: 13, कुल: 20 ओवर में सात विकेट पर 215 रन **विकेट पतन:** 1-31, 2-61, 3-84, 4-168, 5-169, 6-197, 7-215 **गेंदबाजी:** आवेश खान 4-0-43-1, उमरान मलिक 4-0-56-1, रवि बिश्नोई 4-0-30-2, रवींद्र जडेजा 4-0-45-0, हर्षल पटेल 4-0-35-2,

भारतीय टीम	रन	गेंद	4/6
रोहित कै. सॉल्ट बो. टॉप्ली	11	12	2/0
पंत कै. बटलर बो. टॉप्ली	01	05	0/0
कोहली कै. रॉय बो. विली	11	06	1/1
सूर्यकुमार कै. सॉल्ट बो. मोईन	117	55	14/6
श्रेयस अय्यर कै. बटलर बो. टॉप्ली	28	23	0/2
दिनेश कार्तिक पगबाधा विली	06	07	1/0
रवींद्र जडेजा पगबाधा ग्लीसन	07	04	0/1
हर्षल पटेल कै. ग्लीसन बो. जॉर्डन	05	06	1/0
आवेश खान नाबाद	01	01	0/0
रवि बिश्नोई बो. जॉर्डन	02	02	0/0

अतिरिक्त: 9, कुल: 20 ओवर में नौ विकेट पर 198 रन **विकेट पतन:** 1-2, 2-13, 3-31, 4-150, 5-166, 6-173, 7-191, 8-196, 9-198 **गेंदबाजी:** डेविड विली 4-0-40-2, रीस टॉप्ली 4-0-22-3, रिचर्ड ग्लीसन 4-0-31-1, क्रिस जॉर्डन 4-0-37-2, लियिंगस्टोन 2-0-36-0, मोईन अली 2-0-31-1,

टी-20 में शतक जड़ने वाले पांचवें बल्लेबाज बने सूर्यकुमार

भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भारत के लिए टी-20 अंतरराष्ट्रीय में शतक जड़ने वाले 5वें बल्लेबज बन गए हैं। सूर्यकुमार यादव ने 48 गेंदों में 12 चौके और 5 छक्के की बदौलत अपने करियर का पहला शतक जड़ा। भारत के लिए रोहित शर्मा ने चार शतक जड़े, जबकि केएल राहुल ने दो शतक लगाए है। उनके अलावा एक सेंचुरी सुरेश रैना और दीपक हुड्डा ने लगाई है।

आजादी की 75वें साल पर स्पेशल मैच कराने की तैयारी में बीसीसीआई

भारत और विश्व एकादश के बीच हो सकता है मुकाबला

नई दिल्ली। आजादी के 75 वें साल पर एक विशेष मैच कराने की योजना है और संस्कृति मंत्रालय ने यह प्रस्ताव भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को भेजा है। मंत्रालय बीसीसीआई अधिकारियों से बात कर रहा है कि वह शीर्ष भारतीय खिलाड़ियों और विदेश के लोकप्रिय क्रिकेटरों को आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत इस मैच में खिलाने की कोशिश करें। केंद्र सरकार ने बीसीसीआई को देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर मनाये जाने वाले जश्न के उपलक्ष्य में भारत और विश्व एकादश के बीच 22 अगस्त को मैच आयोजित करने का एक प्रस्ताव भेजा है। संस्कृति मंत्रालय ने यह प्रस्ताव भेजा है और वह बीसीसीआई अधिकारियों से बात कर रहा है कि वह शीर्ष भारतीय खिलाड़ियों और विदेश के लोकप्रिय क्रिकेटरों को आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत इस मैच में खिलाने की कोशिश करें।

बीसीसीआई सूत्रों ने कहा कि इस समय प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को बुलाने में काफी परिचालन और लॉजिस्टिकल चीजें जुड़ी हुई हैं। सूत्र ने कहा कि हमें सरकार से भारत एकादश और विश्व एकादश के बीच 22 अगस्त को एक क्रिकेट मैच आयोजित करने का प्रस्ताव मिला है। विश्व एकादश के लिए हमें कम से कम 13 से 14 खिलाड़ियों की जरूरत होगी इसलिये हमें उनकी उपलबधता के बारे में जानकारी हासिल करनी होगी। उन्होंने साथ ही कहा कि इस दौरान इंग्लिश घरेलू क्रिकेट भी चल रहा होगा और कैरेबियाई प्रीमियर लीग भी शुरू हो जायेगी। बीसीसीआई देख रहा है कि क्या अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को उनकी भागीदारी के लिये वित्तीय क्षतिपूर्ति की जानी होगी। जहां तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों की सेवाओं का संबंध है तो बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारी आईसीसी सालाना कांफ्रेंस (22 से 26 जुलाई) के लिये बर्मिंघम में होंगे, जहां वे शायद अन्य बोर्ड से भारत में मैच के लिये अपने कुछ खिलाड़ियों को रिलीज करने के लिये बात करें।

सूत्रों ने कहा कि भारतीय टीम के शीर्ष सितारों को मैच में शामिल करना मुश्किल नहीं होगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे की श्रृंखला 20 अगस्त को खत्म हो रही है. इस श्रृंखला से कुछ खिलाड़ी 22 अगस्त को ही आयेंगे तो वे मैच के लिये उपलब्ध नहीं हो सकेंगे। हालांकि शीर्ष खिलाड़ी जैसे विराट कोहली, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत (श्रीलंका में 27 अगस्त से शुरू होने वाले) एशिया कप के लिये रवाना होने से पहले उपलब्ध होंगे क्योंकि ये जिम्बाब्वे नहीं जा रहे हैं। बीसीसीआई सूत्रों ने बताया कि सभी भारतीय खिलाड़ियों से अनुरोध किया जायेगा और उनके मैच के लिये टीम से जुड़ने की पूरी संभावना है।

भारतीय मुक्केबाजी दल राष्ट्रमंडल खेलों के लिए रवाना

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय मुक्केबाजी दल रविवार को जोर्डनस्टोन, उत्तरी आयरलैंड के लिए रवाना हो गया जहां उनका दो सप्ताह का तैयारी शिविर लगेगा। भारतीय टीम 24 जुलाई को बर्मिंघम के लिए रवाना होगी।
टीम: महिला- नीतू (48 किग्रा), निखत जरीन (50), जैस्मिन (60), लवलीना बोर्गोहैन (70)
पुरुष- अमित पंघल (51), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57), शिवा थापा (63), रोहित टोकस (67), सुमित (75), आशीष कुमार (80), संजीत (92)और सागर (+92)

एजबेस्टन में महेंद्र सिंह धोनी ने किया भारतीय ड्रेसिंग रूम का दौरा

बर्मिंघम। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने शनिवार को दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में मेजबान टीम के खिलाफ 49 रन की जीत के बाद एजबेस्टन में भारतीय ड्रेसिंग रूम का दौरा किया। क्रिकेटर को हाल ही में विंबलडन में सुनील गावस्कर के साथ देखा गया था और उन्होंने भारत शिविर का दौरा करने का फैसला किया, जहां उन्होंने विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन और युजवेंद्र चहल सहित अन्य खिलाड़ियों से मिलकर बातचीत की। बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के साथ बात करते हुए धोनी की तस्वीर ट्विटर पर डाली जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी इस दिग्गज पूर्व कप्तान के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट की। बीसीसीआई ने कई तस्वीरें पोस्ट कीं और ट्वीट किया, युवा खिलाड़ी महान धोनी की बात सुनते हैं।

चांडीमल के शतक से श्रीलंका को बढ़त

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ स्टंप्स तक 6 विकेट पर 431 रन बनाए

गॉल। दिनेश चांडीमल के नाबाद 118 रन, एंजेलो मैथ्यूज (52) और कामिंडू मेंडिस (61) के अर्धशतकों ने श्रीलंका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 67 रन की बढ़त दिलाई।

दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक श्रीलंका ने 149 ओवर में छह विकेट पर 431 रन बनाए। टीम को इस मजबूत स्थित तक पहुंचाने में दिनेश चांडीमल का अहम रोल रहा जिन्होंने शानदार शतक जड़ा। चांडीमल 232 गेंदों पर 9 चौकों और एक छक्के की मदद से 118 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। उनका साथ रमेश मेंडिस 45 गेंदों पर 7 रन बनाकर दे रहे हैं। तीसरे दिन का आगाज श्रीलंका ने 184/2 से किया। शुरुआती कुछ ओवर में ही नाथन लॉयन ने कुसल मेंडिस को 85 के निजी स्कोर पर पगबाधा आउट कर मेजबानों को तीसरा झटका दिया। वहीं एंजलो मैथ्यूज को स्टार्क ने 52 के निजी स्कोर पर आउट किया। श्रीलंकाई बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत तो मिल रही थी, मगर वह इसे बड़े स्कोर में तबदील नहीं कर पा रहे थे। चार विकेट गिरने के बाद दिनेश चांडीमल ने कामिंडु मेंडिस (61) के साथ पारी को संभाला और पांचवे विकेट के लिए दोनों खिलाड़ियों के बीच 133 रनों की साझेदारी की। इस दौरान चांदीमल ने 13वां टेस्ट शतक भी जड़ा। कामिंडु को स्वेपसन ने आउट किया, वहीं पीछे-पीछे निरोशन डिक्वेला भी उनके पीछे पवेलियन लौट गए। डिकवेला को 5 के निजी स्कोर पर लॉयन ने आउट किया। ऑस्ट्रेलिया के लिए अभी तक स्टार्क, स्वेपसन और लॉयन ने 2-2 विकेट लिए हैं।

आईसीसी के प्रचार वीडियो में पंत

सिडनी। आईसीसी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए आईसीसी टी20 विश्व कप के प्रचार वीडियो में ऋषभ पंत को गौरव का स्थान दिया है।

आईसीसी ने रविवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया और कैप्शन में लिखा, टी20 वर्ल्ड कप प्रोमों में आपका स्वागत है। प्रोमो की सराहना करने वाले प्रशंसकों के साथ वीडियो को लाखों बार देखा जा चुका है, जबकि कुछ को क्रिकेटर के टी20 टीम में अपनी जगह बनाए रखने की आशंका है। एक प्रशंसक ने यह भी कहा, कल्पना कीजिए कि उसे विश्व कप टीम के लिए नहीं चुना गया है। पंत इंग्लैंड में शानदार फॉर्म में हैं, जहां उन्होंने मेजबान टीम के खिलाफ पुनर्निर्धारित पांचवें टेस्ट में शानदार शतक और अर्धशतक बनाया और शनिवार को शीर्ष पर रोहित शर्मा के साथ एजबेस्टन में दूसरे टी20 में 15 गेंदों में 26 रन बनाए, लेकिन उन्होंने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर में समाप्त हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज में ज्यादा प्रभाव नहीं डाला। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने पंत का समर्थन करते हुए कहा कि वह लचर प्रदर्शन के बावजूद टीम का अभिन्न हिस्सा हैं।

रंग बिरंगे परिधानों से सजा राजस्थानी मेला

राजस्थानी मेले में दिखी सांवनी बयार, राखीयां रही आकर्षण का केंद्र

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मारवाड़ी युवा मंच वाराणसी गंगा शाखा शहर की अग्रणी महिला शाखा है जो विगत 22 वर्षों से सावन महीने में राजस्थानी मेले का आयोजन करती आ रही है संस्था द्वारा सोमवार कैण्टोनमेण्ट स्थित सूर्या होटल में राजस्थानी मेला का आयोजन किया गया मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि वाराणसी की मेयर मृदुला जायसवाल, सनबीम स्कूल से पूजा मधोक, समाज सेवीका दोप्रदी रतेरिया, संस्था की अध्यक्षा रजनी कनोडिया ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मेले में मुख्य आकर्षण कोलकाता की राखियां भदोही के कारपेट जयपुर का बंधेज साड़ी सूट चादर, और लखनऊ कीचिकनकारी कुर्ती सूट अहमदाबाद का दोहर गिफ्ट आइटम थी। महिलाओं ने डिजाइनर ड्रेस के साथ ज्वैलरी साज सज्जा के सामानों के स्टालों पर खरीदारी की साथ ही चटपटी चाट का लोगों ने लुप्त उठाया। मेले में आई महिलाओं ने लकी ड्रा के जरिए उपहार भी जीते अतिथियों ने सराहना करते हुए कहा कि ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां महिलाओं को अपनी जरूरतों का सामान एक ही जगह मिल जाता है मेले का मुख्य उद्देश बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व पॉलिथीन का बहिष्कार करना है व महिलाओं का विकास व उनको स्वावलंबी बनाना होता है मेले के माध्यम से ही हम अपनी संस्कृति को भी जीवित रखते हैं। इस मेले की संयोजिका मधु तुलस्यान, नीतू मुरारका, शालिनी शाह, अध्यक्षा रजनी कानोड़िया ,सचिव नेहा गिनोडिया ,प्रचार मंत्री निशा अग्रवाल , सरोज तुलस्यान,क्षमा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अनिता सिंघानिया, मीनू पोद्दर, बबिता अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष स्मिता लोहिया, नित्या पोद्दार ,वंदना रतेरिया सहित इत्यादि महिलाएं उपस्थित थीं।

गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र नेता श्री प्रकाश सिंह कौशिक का लंबी बीमारी से हुआ निधन

प्रखर गोरखपुर। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र नेता सूर्यप्रकाश सिंह कौशिक जी ब्लाक प्रमुख बेलघाट हम लोगो के बीच नही रहें! लीवर की बीमारी से लंबे समय से जूझ रहे थे। गोरखपुर विश्वविद्यालय की बहुत बड़ी क्षति हुई है इस दुख की घड़ी में उनके परिवार को ईश्वर हिम्मत दे।

ग्राम प्रधान को पता नहीं पोखरा हो गया पट्टा

प्रखर जखनियां गाजीपुर। राजा को खबर तक नहीं और भीलों ने बांट लिए वन जैसी कहावत को चरितार्थ किया है तहसील जखनियां के अधिकारियों ने जखनियां विकासखंड के ग्राम पंचायत बिजहरा का एक नया मामला प्रकाश में आया है ग्राम प्रधान को पता ही नहीं, और तहसीलदार ने ग्राम पंचायत के पोखरी (तालाब) को मत्सय पालन के लिए दस वर्ष के लिए पट्टा आवंटित कर दिया।इसका पता तब चला जब ग्राम प्रधान रामपूजन राजभर अमृत सरोवर के तहत पोखरी की खुदाई कराने लगे तो गांव के कोमल एवं रबिता देवी पत्नी मनोज सामने आएं। उन्होंने कहा कि उक्त पोखरी मेरे नाम से मछली पालने के लिए पट्टा हैं।ग्राम प्रधान रामपूजन राजभर ने बताया की तहसील स्तर के अधिकारियों व कर्मचारियों की मिली-भगत से ग्राम पंचायत से बिना प्रस्ताव पास कराए तथा ग्राम प्रधान एवं भूमि प्रबंधन समिति के बिना संज्ञानित किए मनमाने ढंग से पारदर्शिता पर पर्दा डाल कर पट्टा आवंटित कर दिया गया है। गौरतलब हो कि जखनिया विकासखंड के बिजहरा ग्राम सभा के गाटा संख्या 171 तथा 207 पोखरी को दिनांक 5 नवंबर 2021 को ग्राम पंचायत को बिना सूचना दिए कोमल व रबिता देवी पत्नी मनोज के नाम अवैधानिक रुप से पट्टा कर दिया गया।विदित हो कि आराजी गाटा संख्या 207 का क्षेत्रफल दो एकड़ से भी अधिक है।जिसको मात्र पचास हजार रुपए में दस वर्ष के लिए पट्टा आवंटन कर दिया गया है।जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। जबकि ग्राम समाज की

राजस्व अधिकारी की मनमानी पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

भूमि के आवंटन के लिए ग्राम पंचायत की खुली बैठक आयोजित कर भूमि प्रबंधन समिति के प्रस्ताव पारित करने के बाद पट्टा आवंटित किया जाता है। वहीं पोखरिया तालाब के निलामी से प्राप्त धनराशि का तीसरा हिस्सा को तहसील द्वारा संबंधित ग्राम पंचायत को देना पड़ता है। परन्तु जखनियां तहसील दारा 1997 से आज तक किसी भी ग्राम पंचायत के खाते में उक्त ग्राम पंचायत के पोखरिया तालाब के निलामी का पैसा जमा नहीं किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

छेड़खानी का रिपोर्ट दर्ज न करने पर फरियादी ने थाना में मचाया हंगामा, पुलिस ने फरियादी की पिटाई

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। स्थानीय थाना परिसर में पहुंच रविवार की दोपहर क्षेत्र के मेहंदीगंज गांव निवासी सतीश पटेल और पत्नी आरती देवी अपने नाबालिग भतीजी के साथ 2 दिन पूर्व पड़ोसी युवक द्वारा छेड़खानी किए जाने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराने हेतु मिजार्मुराद थाना से खजूरी चौकी तक चक्कर लगाता फिर रहा है। रिपोर्ट दर्ज न होने पर मिजार्मुराद थाना में पहुँच हंगामा खड़ा कर दिया और आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस आरोपी से मिली हुई है। हमारा रिपोर्ट नहीं दर्ज कर रही है उल्टे ही हमें परेशान कर रही इस प्रकार विरोध करने पर आरती देवी का आरोप है। कि कई पुलिसकर्मी मिलकर हमारे पति की जमकर पिटाई भी किये और वहां उपस्थित दो महिला पुलिसकर्मियों ने हमारा मोबाइल भी तोड़ दिया। इस मामले को लेकर थाना परिसर में सतीश पटेल थाने से लेकर स्थानीय बाजार तक दौड़ते हुए चिल्लाते हुए यह कहते हुए की मेरी थाना में सुनी नहीं जा रही है। पुलिस पर रिपोर्ट दर्ज नही करने का आरोप लगाते हुए बाजार तक हंगामा खड़ा किया और भीड़ जुट गई। इस मामले को देख मिजार्मुराद थाने के कुछ पुलिसकर्मी मिजार्मुराद बाजार से पकड़कर भुक्तभोगी सतीष को पुनः थाने ले गए। उधर महिला लड़की को लेकर बाजार में रोती बिलखती रही और लोगो से गुहार लगाती रही कि हमारी पुलिस मदद भी नही कर रही और हमारे पति को पुलिस वाले मिल कर मार रहे है। वही स्थानीय पुलिस का कहना है कि सतीश कुछ दिन पहले गांव में मारपीट किया था जिससे बचने हेतु घर पर रह रही भतीजी से छेड़खानी का मुकदमा करवाना चाहता है।

डंपी तिवारी (बाबा) ने काशी कुष्ठ आश्रम के महिलाओं को किया अंगवस्त्र भेंट महिलाओं ने दिया आशीर्वाद

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मिशन समाज सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डंपी तिवारी (बाबा) ने सारनाथ क्षेत्र अंतर्गत स्थित काशी कुष्ठ आश्रम की दर्जनों महिलाओं को अंग वस्त्र के रूप में साड़ी भेंट की।डंपी तिवारी (बाबा) ने कहा आश्रम में जितनी भी महिलाएं हैं वह अपने परिवार से बिछड़ चुकी हैं अनाथ हो चुकी हैं उनके लिए हम लोग जैसे लोग सहारा बनते हैं।वह निरंतर इनकी सेवा में तत्पर रहते हैं,पता नहीं समाज में कैसे-कैसे लोग हैं जो इस मातृभूमि पर जन्म देने वाली माता को बेसहारा छोड़ देते हैं। आज का परिवेश काफी बदल चुका है लोग एक दूसरे के दर्द को नहीं समझ पा रहे हैं जिससे समाज में इसका प्रभाव अलग ही नजर आ रहा है आश्रम में मौजूद दर्जनों महिलाओं ने मिशन समाज सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डंपी तिवारी (बाबा) को आशीर्वाद दिया व उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उक्त अवसर पर मिशन समाज सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डंपी तिवारी (बाबा), देवेन्द्र कुमार दुबे,सर्वेश चौबे, वीर बहादुर यादव, प्रकाश राजभर,अमित जायसवाल सहित इत्यादि लोग मौजूद रहे।

किसान के मौत पर एसडीएम से मिले कांग्रेसी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। गत दिनों फूलपुर थाना क्षेत्र के पिंडरा -कठिराव मार्ग पर रामपुर (बिबिरछा) गांव के सामने पिकअप के धक्के से साईकिल सवार व किसान संतोष कुमार के मौत के मामलों को लेकर कांग्रेसियों ने एसडीएम पिंडरा को सोमवार को पत्रक देकर किसान बीमा सहित अन्य लाभ देने की मांग की। एसडीएम को दिए पत्रक में कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष राजीव कुमार राजू के नेतृत्व में कांग्रेसी व ग्रामीण गत दिनों फूलपुर के हिवरनपुर निवासी किसान संतोष कुमार के मौत के बाद ग्रामीणों द्वारा विरोध प्रदर्शन करने पर अधिकारियों ने मुख्यमंत्री सहायता कोष, किसान बीमा समेत अनेक लाभ देने का आश्वसन दिया था। लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद भी अब तक कोई सूचना लेने भी मृतक के घर नही पहुचा। कांग्रेसियों ने परिवार आर्थिक हालत ठीक न होने का हवाला देते हुए आर्थिक सहायता व बीमा धन को अबिलम्ब दिलवाने की मांग की। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष राजीव कुमार, उमाकांत , विकास यादव, लक्ष्मीकांत, राकेश कन्नौजिया, शिवकुमार, रिशु सिंह, रविंद्र कुमार, संदीप मौर्य, राहुल चौधरी, विनोद यादव व प्रदीप समेत अनेक कार्यकर्ता रहे।

घराती बने पुलिस वाले, समाजसेवी ने बिटिया की कराई शादी

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। मंडुआडीह पुलिस ने एक गरीब परिवार के बेटी का अभिभावक की तरह फर्ज निभाकर क्षेत्र के कुछ समाजसेवियों की मदद से शनिवार की शाम विधि-विधान से शादी करा दी।समाजसेवी कुलदीप कन्नौजिया और संजय गुप्ता ने शादी में एक पिता और बड़े भाई की तरह ही शादी की तैयारिया की व सभी रस्में भी निभाई।मामला मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के बौलिया त्रिमुहानी का था। यहाँ के रहने वाले पान विक्रेता प्रहलाद दास चौरसिया की मृत्यु कुछ वर्ष पूर्व हो चुकी है उनकी बेटी रानी की ब्याह की जिम्मेदारी अंतू साव धर्मशाला लहरतारा बौलिया के अध्यक्ष संजय गुप्ता व समाजसेवी कुलदीप कन्नौजिया ने लेते हुए मंडुआडीह थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह से पूरी बात बताते हुए मदद की गुहार लगाई थी।उसके बाद मंडुआडीह थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह के आह्वान पर शानदार व्यक्तित्व के धनी लहरतारा चौकी प्रभारी मनोज कुमार व अन्य पुलिसकर्मियों ने वैवाहिक समारोह के आयोजन को सकुशल संपन्न कराने में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई।

विधायक ने पंप कैनाल का किया निरीक्षण

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। रोहनिया विधायक सुनील पटेल क्षेत्रीय समस्याओं के प्रति काफी गंभीर हैं। उन्होंने ग्रामीणों की शिकायत पर टिकरी स्थित छितौनी कोट व मुड़ादेव पंप कैनाल का निरीक्षण किया। वहां तैनात कर्मियों से पंप कैनाल के बारे में जानकारी ली। हिदायत दी कि किसी भी सूरत में पंप कैनाल का संचालन बंद नहीं होना चाहिए। कहा कि जो भी गड़बड़ी हो उसे तत्काल दुरुस्त कराकर पंप कैनाल का संचालन शुरू रखा जाएं ताकि सूख चुकी नहरें पानी से लबालब हो सकें। इस दौरान विधायक सिंचाई विभाग के चीफ, एक्सईएन, एई, जेई आदि को मौके पर बुलाकर वार्ता कर समस्या के निराकरण करने का ग्रामीणों को आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय किसानों को सिंचाई के लिए पानी की कमी नहीं होगी। इसके लिए मेरी ओर से हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। विदित हो कि आए दिन विभिन्न खराबियों के चलते उक्त कैनाल बंद चलता था इसके चलते पम्प कैनाल से संबद्ध नहरें सूख रही थी,किसानों ने कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की लेकिन किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। ऐसे में जब क्षेत्रीय विधायक सुनील पटेल को इसके बारे में पता चला वे तत्काल पंप कैनाल पर पहुँचे। इस मौके पर रोहनियां विधायक सुनील पटेल,आराजीलाईन ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि डा. महेंद्र सिंह पटेल, अपना दल ज़िलाध्यक्ष नरेंद्र पटेल प्रदेश उपाध्यक्ष सोनू सिंह, जोन अध्यक्ष आदर्श पटेल सहित विभागीय अधिकारी,कर्मचारी आदि लोग उपस्थित थे।

देवशयनी एकादशी पर आदिकेशव मंदिर में पूजन-अर्चन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। देवशयनी एकादशी के पावन अवसर पर रविवार को आदिकेशव मंदिर में विशेष पूजन-अर्चन किया गया।श्री लाट भैरव भजन मण्डल के तत्वावधान में आदिकेशव घाट पर स्थित भगवान श्री हरि विष्णु के आदिकेशव स्वरूप का विधिवत श्रृंगार कर राग-भोग अर्पित किया गया।इसके पूर्व नमामि गंगे के महानगर सहसंयोजक शिवम अग्रहरि ने गंगाजल से देवविग्रह का अभिषेक किया तदुपरांत श्री हरि कीर्तन का आयोजन किया गया।जिसमें गायक कलाकारों ने कई भजन प्रस्तुत कर पूरे माहौल को भक्ति रस से सराबोर किया।श्री मन नारायण नारायण हरि हरि कीर्तन गाते ही मंदिर प्रांगण में उपस्थित भक्त भाव विभोर हो उठें।संस्थाध्यक्ष केवल कुशवाहा ने बताया कि आज से पवित्र चतुर्मास प्रारंभ हो गया। भगवान शिव के हाथों में सृष्टि का संचालन सौंपकर भगवान श्री हरि चार माह तक क्षीरसागर में शयन के लिए चले जाते हैं कहा कि मत्स्य पुराण में वर्णित काशी खण्ड के कथानुसार देवाधिदेव महादेव के आदेश पर भगवान श्री हरि ने प्रथम बार काशी आगमन पर गंगा और वरुणा नदी के संगम तट पर स्थित इसी स्थान पर अपने चरण रखें थें तभी से भक्तों के कल्याणार्थ यहां वो स्वयं विराजमान हैं। उक्त अवसर पर प. विनय त्रिपाठी, केवल कुशवाहा, शिवम अग्रहरि, गोविंद बाबा, धर्मेंद्र शाह, संदीप कुशवाहा, उत्कर्ष, शशिकांत, आशीष कुशवाहा, जयप्रकाश राय, रविशंकर, यतीश, रामप्रकाश, रितेश कुशवाहा, विनोद, बबलू आदि उपस्थित रहे।

पोखरी में मिला अधेड का शव

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के असाउर गांव के पास पोखरी में डुबोकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई ,इस संबंध में मृतक की पत्नी अनरमा ने थाना गंभीरपुर में गांव के ही तीन नामजद व कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीरपुर थाने में प्राथमिक दर्ज कराई है। बताया जाता है कि गंभीरपुर थाना क्षेत्र के असाउर गांव निवासी रामअवतार उम्र 48 वर्ष पुत्र टिलठू गांव के ही पास बने पोखरी पर रहकर पोखरे की देखभाल करता था कि सोमवार की भोर में लगभग 4:00 बजे गांव के कुछ लोग गए और पोखरी में डूबा कर मार दिए मृतक की पत्नी अनरमा ने गंभीरपुर थाना में दिए गए तहरीर में लिखा है कि उसके पति को गांव के आकाश सरोज, सूरज सरोज, व बिजेंदर सरोज तथा कुछ अज्ञात लोगों ने मिलकर मारपीट कर पोखरी में दबा दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

पॉलिथीन अभियान के आड़ में नगर निगम द्वारा अवैध रूप से व्यापारियों को प्रताड़ित करने के विरोध में वाराणसी व्यापार मण्डल ने नगर निगम में दिया धरना

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पॉलिथीन अभियान के आड़ में नगर निगम द्वारा अवैध रूप से व्यापारियों को प्रताड़ित करने के विरोध में वाराणसी व्यापार मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा के नेतृत्व में जुटे सैकड़ों व्यापारियों ने नगर निगम पहुंचकर अधिकारियों के समक्ष अपना रोष प्रकट किया` नगर आयुक्त की अनुपस्थिति में अपर नगर आयुक्त प्रवर्तन दल के समक्ष बीते दिनों 6 तारीख को अवैध रूप से जप्त की गई पैकिंग बैग्स के मुद्दे को उठाया गया जिसमें प्रवर्तन दल के प्रभारी कर्नल राघवेंद्र द्वारा व्यापार मंडल के पदाधिकारियों को यह आश्वासन दिया गया था किए जप्त माल को दूसरे दिन छोड़ दिया जाएगा परंतु अब वे फोन नहीं उठा रहे` इस प्रकरण में कोई कार्रवाई ना होने से नाराज व्यापारी सोमवार को नगर आयुक्त से मिलने पहुंचे जहां पर अधिकारियों द्वारा टालमटोल के रवैए को देखते हुए व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कर दिया धरना शुरू कर दिया।

अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा ने बताया की पॉलिथीन के नियमों के आड़ में नगर निगम के अधिकारी और प्रवर्तन दल छोटे व्यापारियों को तंग और धन उगाही कर रहा है तथा मल्टीनेशनल कंपनियों के पॉलीथिन पर मौन साधे हुए हैं वाराणसी व्यापार मंडल व्यापारियो के हित की लड़ाई लड़ने को वचनबद्ध है` आईटी सेल अध्यक्ष संतोष सिंह द्वारा दी गई जानकारी अनुसार थानाध्यक्ष सिगरा एवम अपर आयुक्त प्रवर्तन दल नगर निगम के के इस आश्वासन के बाद कि कल होने वाली अधिकारियों तथा व्यापारियों की बैठक में इस मुद्दे पर भी विचार किया जाएगा तथा उचित कार्रवाई की जाएगी आश्वासन के बाद धरना खत्म कर दिया गया। इस अवसर पर वाराणसी व्यापार मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा ,संयुक्त महामंत्री मनीष गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष संतोष सिंह ,युवा अध्यक्ष संजय गुप्ता ,महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता सोनी ,चांदनी श्रीवास्तव ,प्लास्टिक एसोसिएशन के अंजनी प्रबोध मेहरा ,न्याय मोर्चा अध्यक्ष आनंद चांदमारी ,नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष जय प्रकाश राजभर ,अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष शाहिद कुरेशी समेत सैकड़ों व्यापारी उपस्थित थे।

जनसंख्या नियंत्रण को लेकर उद्योग व्यापार मंडल ने सौंपा ज्ञापन

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो।जनपद महाराजगंज युवा व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रिंस जायसवाल कोल्हई बाजार द्वारा जनसंख्या नियंत्रण को लेकर राष्ट्रपति महोदय, प्रधानमंत्री, राज्यपाल कानून मंत्री, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को फरेंदा एसडीएम राम सजीवन मौर्य को पत्रांक देते हुए सौंपा ज्ञापन।साथ ही 60 ब्यापारियों व 12 ग्राम प्रधान के हस्ताक्षर युक्त कागज सौंपा।प्रिंस जायसवाल ने कहा कि जैसा कि हम सब जानते हैं कि बढ़ती जनसंख्या एक चिन्ता का विषय है । लोगों को इस कानून की सहायता से जनसंख्या नियन्त्रण के बारे में जागरूक किया जायेगा` हर परिवार में दो बच्च्चा ही होना चाहिये साथ ही साथ बच्चों के जन्म में कम से कम तीन वर्ष का अन्तराल होना चाहिये जिससे जच्चा - बच्चा दोनो स्वस्थ रह सकें । जनसंख्या निति कानून से लोगों की बढ़ती आबादी से रोकने का प्रावधान भी लाया जाये । जनसंख्या बढ़ने से जाने वाले दिनों में बहुत सी दिक्कते हमारे देश व प्रदेश में आने लगेगी । बढ़ती बेरोजगारी हम आज ही देख रहे हैं जैसे कुछ हजार नौकरियों के लिये करोडो युवक सूची में होते है जिसका मुख्य कारण बढ़ती आबादी है ।पहले जनसंख्या कम होने के बजह आय के साधन अधिक थे यहाँ आज आबादी अधिक होने के वजह से प्रतिस्पर्धा में बढ़ोत्तरी हुई है । कानून की सहायता से उत्तर प्रदेश सरकार अब जनसंख्या और अधिक प्रदेश में न बढ़े यह भी कोशिश करे ` सरकार यह आशा कर रही है लोग इस बात को समझेंगे यह जनसंख्या (नियन्त्रण) निति कानून की दिशा में सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे। इस दौरान उधोग ब्यापार मंडल विधानसभा अध्यक्ष आशीष जायसवाल, कोल्हई बाजार उधोग ब्यापार मंडल अध्यक्ष दयाराम मोदनवाल, कोषाध्यक्ष हरिराम जायसवाल, विधानसभा उपाध्यक्ष जगदम्बा जायसवाल सहित एल आई ओ मौजूद रहे।

महिला प्रधान को गोली मारने वाले आरोपी को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर धर दबोचा

प्रखर गोरखपुर। जनपद के सहजनवा तहसील अंतर्गत हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव के महिला प्रधान को रविवार की शाम अज्ञात हमलावरों ने महिला प्रधान को गोली मार दी थी। जिससे उनकी हालत नाजुक और स्थिर बनी हुई है घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना हरपुर बुदहट तथा क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार सिंह घटनास्थल पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली और अपराधियों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया । जिसमें पूरी कांड की घटना के 24 घंटे के अंदर पुलिस ने गोली मारने वाले अपराधी को कटाई टीकर गांव के पास एक बगीचे से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए अपराधी का नाम संजय उर्फ संजू यादव पुत्र राजेंद्र यादव निवासी अनंतपुर का निवासी हैं महिला प्रधान के ऊपर गोली चलाने वाले अभियुक्त का अपराधिक इतिहास काफी लंबा है जनपद तथा गैर जनपद कई थानों में लूट हत्या के मामले संजय उर्फ संजू यादव पर दर्ज हैं। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से 2 अदद तमंचा 315 बोर, 1 अदद मिस कारतूस 315 बोर ,1 अगस्त कारतूस 315 बोर तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल पल्सर तथा 10130 बरामद किया गया है।

मनोज कुमार प्रजापति को गोरक्षा प्रदेश महामंत्री बनाये जाने पर खुशी की जाहिर

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विश्व हिंदू महासंघ गोरक्षा समिति उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रभारी ओमप्रकाश यादव की संस्तुति पर गोरक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी योगेन्द्र सिंह ने गोरखपुर निवासी मनोज कुमार प्रजापति को गोरक्षा समिति का प्रदेश महामंत्री मनोनीत किया है उन्होंने कहा कि मुझे आशा और विश्वास है कि प्रजापति जी पूज्य महाराज जी के हिन्दुत्व व विकास के मिशन को आगे लेकर जाएंगे। इनके मनोनयन से प्रदेश के सभी कार्यकताओं में खुशी की लहर है जिसमें वाराणसी अति प्रसन्न सभी कार्यकर्ता संजय पाण्डेय ने अपने सभी जिला व महानगर पदाधिकारी व सदस्यों के साथ प्रदेश महामंत्री गौरक्षा प्रकोष्ठ मनोज प्रजापति को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिया गया जिसमें जिला से राघवेंद्र नाथ व राहुल गुप्ता महानगर से विपिन सेठ, आशुतोष ओझा ,विद्यासागर उपाध्याय के साथ जिला व महानगर के सभी पदाधिकारी व सदस्यगणों ने खुशी जताई बाबा विश्वनाथ से उनके प्रगतिशील उज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की ऐसे ही वरिष्ठता के ओर अग्रसर रहें।

बाल संसद के गठन पर छात्रों में दिखी उत्सुकता

प्रखर पिंडरा वाराणसी। शासन के मंशानुरूप सोमवार को पिंडरा विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय जमापुर में बाल संसद का

गठन किया गया। इस दौरान एक ही पद के लिए कई छात्रों के खड़े हो जाने पर मतदान की प्रक्रिया अपनाई गई। मतदान के दौरान छात्र छात्राओं में गजब का उत्साह दिखा और प्रत्येक पद के उम्मीदवारों ने अपने स्कूल के प्रति बिचार रखने के साथ लक्ष्य को बताया। कुल 188 छात्रों में से 155 छात्र छात्राओं ने भागीदारी की। गिनती के बाद परिणाम की घोषणा की गई। जिसमें प्रधानमंत्री रितेश वर्मा , उपप्रधानमंत्री नैंसी वर्मा, शिक्षा मंत्री प्रिंस वर्मा, स्वास्थ्य व सफाई मंत्री रौनक वर्मा, जल व पर्यावरण मंत्री कृष्णा पटेल, अभिषेक पुस्तकालय व विज्ञान मंत्री अभिषेक , सांस्कृतिक व खेल मंत्री-खुशी, आरजू व सृष्टि को घोषित किया गया। इसके अलावा मेहंदी वर्मा, नैंसी, आराध्या,गणेश, अमित पटेल, सुहानी व आयुष को विभिन्न पदों पर मनोनीत किया गया। इस दौरान बच्चो ने निर्वाचित होने पर एक दूसरे को बधाई दी और साथ मे मिलकर स्कूल के विकास में योगदान देने का संकल्प लिया। इस दौरान ग्राम प्रधान विनोद पटेल, प्रधानाध्यापक विनोद कश्यप, संजय गुप्ता, अरविंद वर्मा, डॉ राजीव गौतम, तेजबहादुर, सरिता वर्मा, अवधेश पटेल समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

सुदर्शन न्यूज के खिलाफ अफवाह फैलाने वाले जुबैर को अदालत दे सख्त सजा - सुरेश चव्हाण

प्रखर डेस्क। निजी चैनल सुदर्शन न्यूज के खिलाफ भ्रामक ट्वीट कर अफवाह फैलाने एवं धार्मिक उन्माद भड़काने के आरोप में आल्ट न्यूज के सह संस्थापक मोहम्मद जुबैर को लखीमपुर जनपद की एसीजीएम अदालत ने वारंट जारी कर अदालत में तलब किया है। बता दें कि उक्त प्रकरण में जनपद चंदौली में भी सुदर्शन न्यूज चैनल की टीम ने भी मामला दर्ज कराया था। वर्ष 2021 में इजरायल और फिलिस्तीन विवाद के ऊपर बनाए गए एक प्रोमो के ग्राफिक्स को लेकर मोहम्मद जुबेर ने यह दावा किया था की ग्राफिक्स में प्रयोग की गई प्रतीकात्मक मस्जिद अल मस्जिद अल नबावी है यह बात वास्तविकता से बिल्कुल परे थी। इसे आधार बनाकर मोहम्मद जुबेर ने कई भ्रामक ट्वीट किए जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सुदर्शन न्यूज का विरोध करना शुरू कर दिया। कई मुस्लिम राष्ट्रों में सुदर्शन न्यूज के विरोध में प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई तथा विश्व भर के मुसलमानों से सुदर्शन न्यूज का विरोध करने की अपील की गई। साजिश के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुदर्शन न्यूज की छवि को धूमिल करने के लिए एक बड़ा षड्यंत्र रचा गया। सुदर्शन न्यूज ने मोहम्मद जुबेर के उस झूठे दावे को बेनकाब करते हुए वास्तविक तथ्य सामने रखे और यह साबित किया कि ग्राफिक्स में प्रयोग की गई मस्जिद अल मस्जिद अल नबावी नहीं है। मोहम्मद जुबेर ने यह अफवाहें समय फैलाई जब पूरा विश्व महामारी के बुरे दौर से गुजर रहा था, ऐसे नाजुक समय में इस प्रकार की अफवाहों से पूरे देश में एक बड़ा संकट भी उत्पन्न हो सकता था। मोहम्मद जुबेर के झूठे तथ्यों को बेनकाब करते हुए सुदर्शन न्यूज ने लखीमपुर खीरी में अदालत के माध्यम से मोहम्मद

जुबेर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। सुदर्शन न्यूज के प्रधान संपादक सुरेश चव्हाणके ने गौतमबुद्ध नगर में एक बयान जारी करते हुए कहा है कि देश के विरुद्ध रचे जा रहे अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र में मोहम्मद जुबैर बहुत छोटी मछली है, जांच एजेंसियों को चाहिए कि वो जुबैर के माध्यम से उन षड्यंत्रकारियों तक पहुँचे जो लगातार भारत में अस्थिरता पैदा करने की कोशिशों में लगे है। उन्होंने कहा कि मोहम्मद जुबैर ने न सिर्फ पूरे देश मे झूठी अफवाह फैलाई बल्कि सुदर्शन न्यूज के विरोध के नाम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फंड भी जनरेट किये जिसका प्रयोग समय समय देश विरोधी मुहिम चलाने के लिए किया गया है। सुरेश चव्हाणके ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पुलिस पर विश्वास जताते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि यूपी पुलिस मोहम्मद जुबैर को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए पूरा प्रयास करेगी साथ ही उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से भी मांग करी कि मोहम्मद जुबैर से संबंधित सभी प्रकरणों की जांच केंद्रीय एजेंसियों से भी कराई जाएं।

ब्लॉक मुहम्मदपुर के ग्राम अबूसईद पुर में रविवार को तेरही भोज कार्यक्रम का किया गया बहिष्कार

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। ब्लॉक मुहम्मदपुर के ग्राम अबूसईद पुर में रविवार को तेरही भोज बहिष्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया । बताते चलेकि सीताराम यादव की धर्मपत्नी शीतला देवी के देहांत के तेरहवें दिन सीताराम यादव व उनके पुत्र द्वारा मृत भोज बहिष्कार कर कार्यक्रम एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया तत्पश्चात संविधान की शपथ एवं तेरही भोज न खाने की शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि के रूप में जौनपुर जनपद के मड़ियाहूं ब्लाक के पूर्व ब्लाक प्रमुख लाल प्रताप यादव ने कहा कि तेरही भोज शारीरिक व मानसिक गुलामी का कार्यक्रम है अपने पीढ़ियों को शारीरिक मानसिक गुलामी से बचने के लिए तथा उन्हें शिक्षित एवं मजबूत बनाने के लिए तेरा ही भोज कार्यक्रम खत्म करना होगा क्योंकि यह हमारे अंदर सामाजिक अंधविश्वास एवं कुरीतियां पैदा करता है। समाजसेवी कमला सिंह प्रकाश ने कहा कि हमें बौद्धिक क्षमता का इस्तेमाल कर समाज में पाखंडवाद, अंधविश्वास एवं सदियों से आ रही रूढ़िवादी परंपराओं को दूर करने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाना होगा उन्होंने कहा कि भारत के संविधान एवं कानून में विश्वास रखकर अच्छी शिक्षा ग्रहण करें अपने बच्चों को विकास के रास्ते पर लाएं। लोगों में आपसी भाईचारा एवं समानता पैदा करें यह हम सब का कर्तव्य है इस अवसर पर मुख्य रूप से रामबाबू मौर्य, विजय बहादुर यादव, सूबेदार यादव ,फौजदार यादव, प्रधान जिया लाल यादव ,राम बचन यादव, धीरेंद्र यादव एडवोकेट, बुझारत सरोज ,रामअवतार स्नेही, दयाराम आदि लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए।

महिला प्रधान को अज्ञात बदमाशों ने दौड़ाकर मारी गोली, हालत नाजुक

सहजनवा ब्लाक की परफॉर्मेंस ग्रांट रघुनाथपुर गांव की प्रधान है दुर्गावती देवी

प्रखर गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के रघुनाघपुर में आज शाम साढ़े 6 बजे अज्ञात बदमाशो ने महिला ग्राम प्रधान दुर्गावती देवी पत्नी रामपाल गुप्ता के घर चढ़कर गोली मार दिया, बचने के लिये भागी महिला प्रधान को बदमाशो ने दौड़ाकर दूसरी गोली मार दी, जिससे महिला प्रधान खून से लथपथ हो गयी,ग्रामीणो के जुटने पर बदमाश भाग गए वही परिजन प्रधान को लेकर मेडिकल कालेज रवाना हो गए है जहाँ महिला प्रधान की हालत नाजुक बनी हुई है। गांव में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गयी है।

बताते चले कि सहजनवां विकास खण्ड के परफॉमेंस ग्रांट प्राप्त गांव रघुनाथपुर की ग्राम प्रधान दुर्गावती देवी आज शाम 6.30 बजे अपने दरवाजे पर बैठी थी, की मोटरसाइकिल से चार बदमाश मुह बांधे उनके दरवाजे पर चढ़ गए और सीधे दुर्गावती देवी को गोली मार दी,महिला प्रधान बचने के लिए गांव की तरफ दौड़ी लेकिन बदमाशो ने उन्हें दौड़ाकर गोली मार दी जिससे वह गिरकर तड़पने लगी, वही गोली की आवाज सुनकर दौड़े ग्रामीणों को देखकर बदमाश भाग गए। वहीं परिजन तत्काल प्रधान को लेकर मेडिकल कालेज रवाना हो गए, जहा उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। वही हरपुर बुदहट पुलिस क्षेत्राधिकारी खजनी अनिल कुमार सिंह मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रहे है।

एलपीजी उत्तर प्रदेश के जी.एम.एम ठाकुर का काशी आगमन पर वाराणसी एलपीजी वितरक संघ ने किया जोरदार स्वागत व अभिनंदन एलपीजी रथ को किया गया रवाना

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बनारस से ही फील्ड ऑफिसर की शुरूआत करते हुए विभिन्न जिलों व प्रदेशों के पद को सुशोभित करते हुए सोमवार को जी.एम.एलपीजी उत्तर प्रदेश राज्य कार्यालय वन लखनऊ के एम ठाकुर का काशी आगमन पर वाराणसी एलपीजी वितरक संघ द्वारा जोरदार स्वागत व अभिनंदन किया गया उस पुनीत अवसर पर कुछ ग्राहकों को एलपीजी ऑयरन प्रेस, कमपोजिट गैस कनेक्शन, छोटू व मुन्ना सिलेंडर भी प्रदान किया गया व एलपीजी रथ भी रवाना किया गया। गरिमामई उपस्थिति एरिया मैनेजर विकाश सहदेवा सर, पीयूष सर, हिमांशु द्विवेदी सर व अन्य अधिकारी गण वितरक मे कुमार अग्रवाल, रवि सिंह, मनीष चौबे, राहुल पाठक, ऊर्फी भाई, अरविंद सिंह, कैलाश कुशवाहा, रमेश पति त्रिपाठी, विजय बहादुर सिंह, राजेश यादव, ध्रुव गुप्ता, चंद्रशेखर यादव शोरूम स्टाफ, ट्राली मैन उपस्थित रहे।

राजनीति में परिवारवाद अब मंजूर नही : राष्ट्रीय समता पार्टी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कैंटोनमेंट बुद्धविहार कालोनी में स्थित एक होटल में प्रेस मीडिया के समक्ष अपने सैकड़ों साथियों के साथ शशिप्रताप सिंह ने दीप प्रज्वलित करके राजनैतिक पार्टी का गठन कियाे राष्ट्रीय समता पार्टी का मिशन परिवारवाद के खिलाफ आवाज उठाने वाली पहली पार्टी होगीे वन नेसन, वन इलेक्शन, वन एजुकेशन, वन पेंसन, वन टैक्स, वन फ्लैग, वन राष्ट्र नेम, वन होम वन सर्विस इन डिफेंस की मांग करने वाली पार्टी होगी, वन होम वन मेंबर वाली पार्टी होगी, समाज के हर वर्ग को एक सूत्र में बांधकर चलने वाली पार्टी होगी राष्ट्रवादी विचारधारा की सोच वाली पार्टी होगी, राष्ट्र प्रेम ही अटल मूलमंत्र होगा किसी भी मजहब, जाति, धर्म पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग ना करने वाली पार्टी होगी, अपने मुद्दे और मिशन से कभी भी ना भटकने वाली पार्टी होगी, भाईचारा स्थापित करने वाली संदेशवाहक पार्टी होगी, भारत चुनाव आयोग से मान्यता प्राप्त पार्टी होगी। प्रमुख रूप से संस्थापक सदस्य शशिप्रताप सिंह, राजकुमार गुप्ता, कैप्टन राजकुमार, वंदना सिंह, प्रकाश जायसवाल, पुर्नवासी प्रजापति, रामगोविंद प्रजापति, जगरनाथ कुशवाहा, ठाकुर काशी सिंह, अधिवक्ता नरेंद्र उपाध्यया, संतोष प्रजापति, बिजेंद्रर पाल सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

हिन्दू राष्ट्र समर्थन हस्ताक्षर अभियान का हुआ शुभारंभ

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। हिन्दू राष्ट्र निर्माण हस्ताक्षर अभियान के राष्ट्रीय संयोजक नितिन उपाध्याय एवं राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में हिन्दू राष्ट्र समर्थन हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ 13 अप्रैल 2022 को दिल्ली के जंतर-मंतर से हो चुका है बताया गया की हम लोग 10 करोड़ हस्ताक्षर कराकर 13 अप्रैल 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को सौंपेंगे। इस कार्य को पूरा करने का संकल्प लेकर कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र द्विवेदी एवं अभियान संयोजक नितिन उपाध्याय टीम के साथ पूरे भारत में दौरा कर रहे हैं इस क्रम में 10 जुलाई रविवार को बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में सिगरा स्थित एक होटल में इस अभियान का आगाज हुआ ` उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र द्विवेदी, राष्ट्रीय संयोजक हिन्दू राष्ट्र निर्माण हस्ताक्षर अभियान समिति नितिन उपाध्याय , गुजरात प्रदेश अध्यक्ष मितेश पटेल , राष्ट्रीय प्रवक्ता मदनलाल गुप्ता व बीरेंद्र नाथ तिवारी , उ०प्र० संयोजक धर्मेन्द्र पांडेय व विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल वेदांत सोसाइटी से मुक्तिप्रणा माता, प्रसिद्ध कथावाचक पूनम चौबे,जिलाध्यक्ष हिंन्दू इकोसिस्टम मंजू गोस्वामी , उ०प्र० मीडिया उपाध्यक्ष विश्व हिंदू महासंघ गायत्री सिंह ,जिलाध्यक्ष विश्व हिंदू महासंघ सच्चिदानंद सिंह , महानगर अध्यक्ष विश्व हिंदू महासंघ सिद्धार्थ सिंह, आर एसएस से डॉ० रजनीश एवं विश्व हिंदू महासंघ गोरक्ष संजय पांडेय की गरिमामयी उपस्थित रही` कार्यक्रम की आयोजक और अध्यक्षता कर रही अखिल भारत हिन्दू महासभा की महिला अध्यक्ष डॉ गीता रानी ने बताया कि 95 करोड़ हिन्दू सनातनियों का सपना केवल देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही पूरा कर सकते हैं। हिन्दू राष्ट्र बनते ही देश में एक देश एक विधान का रास्ता आसान हो जाएगा। संचालन डॉ. ब्रजेश पाठक ने किया। उक्त कार्यक्रम में पूनम सिंह (रोटी बैंक राष्ट्रीय अध्यक्ष), रश्मि अग्रवाल (अध्यक्ष उ०प्र० व्यापार मंडल), अजय सिंह (अध्यक्ष साई इंस्टिट्यूट ऑफ रूरल डेवलॉपमेन्ट), नन्दलाल सेठ, गोविंद सेठ, कन्हैया सेठ, योगेश सोनी, सौम्यक सोनी, विनोद कुमार यादव, डॉ० नीलम, डॉ० विजया, डॉ० अनुज, डॉ० रूचि, डॉ० रीता, संगीता सोनी, सुषमा सोनी सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहें।

योगेश रुपानी बने रोटरी ग्रेटर के अध्यक्ष

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रोटरी क्लब वाराणसी ग्रेटर और इनरव्हील क्लब वाराणसी ग्रेटर के नवनियुक्त अध्यक्ष ,सचिव तथा अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने रविवार रात्रि सूर्या होटल में क्लब के 20 वें पदग्रहण समारोह में पद एवं गोपनीयता की ली शपथ ` कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईजी जोन के. सत्यनारायण रहे और गेस्ट ऑफ ऑनर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट रोटेरियन सुनील बंसल एवं इनरव्हील की पूर्व डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन ममता द्विवेदी रही जिनके द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत हुई। क्लब के पूर्व अध्यक्ष रो. राकेश बजाज ने नवनियुक्त अध्यक्ष रो. योगेश रूपानी को एवं इनरव्हील की पूर्व अध्यक्ष मनीषा अग्रवाल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष इंदू रतन को कालर पहनाकर दायित्व सौपा दिया। इसी क्रम में सचिव रो. शैलेंद्र टंडन एवं सोनल अग्रवाल ने पूर्व सचिव रो. मोहित कपूर एवं अल्पना अग्रवाल से अपना कार्यभार ग्रहण किया `समारोह का संचालन रोटेरियन डॉक्टर विपुल शंकर पांड्या एवं श्रीमती शिप्रा भार्गव ने किया । इस समारोह में डिस्ट्रिक्ट के सभी पूर्व गवर्नर एवं पूर्व डिस्टिक चेयरमैन के साथ-साथ रोटरी और इनरव्हील के कई पूर्व मंडलाध्यक्ष एवं सीनियर मेंबर भी उपस्थित थे, जिसमें देव प्रमोद अग्रवाल, नीलाभ शाह, मीनाक्षी अग्रवाल, धारणी गुप्ता, संजना रुपानी, मनीष अग्रवाल नवल कथुरिया सचिन जैन अतुल्य रतन के साथ-साथ क्लब के कई सदस्य मौजूद थे।

माँ वैष्णो महिला सेवा संस्थान में प्रीति राय को जिला महासचिव के पद पर किया गया नियुक्त

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। माँ वैष्णो महिला सेवा संस्थान के द्वारा प्रीति राय को जिला महासचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है प्रीति जी संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष रश्मि अग्रवाल और राष्ट्रीय महासचिव कृष्णा पाण्डेय ने इनकी कार्य निष्ठा को देखते हुए इस पद पर मनोनीत किया उम्मीद है प्रीति जी संस्था प्रति पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करेगी और संस्था को आगे ले जाने में अहम भूमिका का योगदान करेगी।

परिजनों को बंधक बनाकर बदमाशों ने की लूटपाट

नगदी जेवर लूटकर फायरिंग करते हुए फरार, दो लोग गंभीर रूप से जख्मी जिला अस्पताल में भर्ती

प्रखर जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के सम्मोपुर गांव में आधी रात को घर में परिजनों को असलहे के दम पर बंधक बनाकर बदमाशो ने जमकर लूटपाट की। इस दौरान लुट डकैती का विरोध करने पर दो लोगों को मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। जिन्हें उपचार के लिए जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया । लूटपाट करने के बाद बदमाश फायरिंग करते हुए फरार हो गए। सम्मोपुर गांव में आधी रात को आधा दर्जन से अधिक बदमाश असलहा व धारदार हथियार लेकर रामआसरे के घर पहुंचे और असलहे के दम पर आतंकित करते हुए महिलाओं को पीटते हुए एक कमरे में बंद कर दिया। इस दौरान मंत्ररा देवी, डिंपल व रोशनी के जेवर छीन लिए । इस दौरान परिवार के सभी सदस्य जाग गये और लूटपाट का विरोध करने पर राम 50 वर्षीय रामआसरे व 48 वर्षीय महेंद्र कुमार को पीटकर जख्मी कर दिया। जिसमें महेंद्र कुमार का हाथ टूट गया।रामआसरे का सर फट गया, दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए इसके बाद बदमाशों ने जमकर लूटपाट की घर में रखे जेवर नगदी छीन कर फायरिंग करते हुए फरार हो गए। घटना की सूचना 112 नंबर पुलिस को दी। 12 बजे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल राम आसरे व महेंद्र को उपचार के लिए जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहाँ दोनों की हालत नाजुक बनीं हुई है । घटना को लेकर गांव में दहशत बना हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी।

मौत का कुंड चुना दरी में फिर डूबे तीन युवक

काल बनकर आया रविवार पिछले 10 दिनों में 9 युवकों ने गंवाई अपनी जान

प्रखर मिजार्पुर। देश में एक तरफ जहां बकरीद पर्व लेकर लाखों करोड़ों लोग उल्लास के साथ खुशियॉ मना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ मिजार्पुर जिले के अहरौरा घाटी में तीन युवाओं के डूबने की खबर ने मिजार्पुर ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों में भी पर्व के उत्साह को कम कर दिया। ये तीनों युवक पड़ोसी जनपद वाराणसी के थे। दोपहर बाद हुए इस घटना की खबर जैसे ही एसपी संतोष कुमार मिश्र को मिली वे तत्काल इस पर एक्शन लेने के लिए अपने अधीनस्थ अफसरों को निर्देश दिया। आगे बढ़ने से पहले आपको बता दूं कि आज अहरौरा स्थित पर्यटक स्थल चूना दरी में अपने कुछ दोस्तों के साथ वाराणसी जनपद के तीन युवक चितईपुर थाना क्षेत्र के सुसुवाही निवासी 26 वर्षीय संदीप खरवार पुत्र जितेन्द्र खरवार, लंका थाना क्षेत्र के मारूति नगर निवासी 23 वर्षीय प्रिस पुत्र प्रमोद सिंह और सुंदरपुर थानाक्षेत्र के प्रज्ञा नगर निवासी रिशु पुत्र जियूत सिंह जो मूल रूप से घोरावल सोनभद्र के निवासी बताये जाते हैं की स्नान करने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से डूबकर मृत्यु हो गयी। घटना घटते ही घाटी क्षेत्र में सनसनी फैल गयी, आसपास मौजूद लोग इंटरनेट के माध्यम से इसकी सूचना प्रसारित करने की कोशिश कर रहे थे लेकिन घाटी क्षेत्र में इंटरनेट कमजोर होने के कारण वह असफल हो गये। लेकिन ये खबर जैसे ही घाटी क्षेत्र के ऊपर पहुंची, वहॉ से सूचनाओं का लिंक जिला मुख्यालय का हो गया। मिजार्पुर जिले के मौजूदा एसपी संतोष कुमार मिश्रा को जैसे ही इस बात की खबर मिली वे हरकत में आ गए, और अपने अधीनस्थ अधिकारियों को पल-पल की अपडेट देने का निर्देश देते हुए मौके पर मौजूद आरक्षी विनोद कुमार पीएनओ नंबर 062762205 को लापरवाही बरतने के आरोप में लाइन हाजिर कर दिया। इस बीच, अहरौरा थाने की पुलिस गोताखोरों को लेकर घटनास्थल पहुंची और तीन युवकों के शव को मौत के दरी के रूप में बदल चुके दरी के वाटर फॉल से बाहर निकाला। मृत युवकों में एक युवक के दादा घटनास्थल पर भागे-भागे पहुंच चुके थे, जिनसे पत्रकारों ने बात करने की कोशिश की पर वे बात करने की स्थिति में नहीं थे। मृत युवकों में एक का छोटा भाई मिला जिससे कुछ जानकारी हासिल हो सकी । बीते 10-11 दिनों पर नजर दौड़ाएं तो यह पहली वारदात नहीं, बल्कि ये तीसरी वारदात हैं जिसमें कुल मिलाकर सात युवाओं ने अपनी जिंदगी गंवा दी है। बीते माह के 29 जून को पहली बारिश के साथ ही इसी चूना दरी में पड़ोसी जनपद सोनभद्र के बभनौली और धर्मशाला निवासी 21 वर्षीय राहुल सोनकर पुत्र तेजू सोनकर जो बीए द्वितीय वर्ष का छात्र बताया जाता हैं तथा उसके साथ 20 वर्षीय मनीष मौर्या पुत्र रमेश कुमार मौर्या की भी मौत इसी तरह इस खतरनाक वाटर फॉल में हो चुकी है। जिनका शव अगले दिन यानि 30 जून को गोताखोरों की मदद से पुलिस ने बरामद किया था। इस घटना के ठीक 5 दिन बाद 5 जुलाई के दिन जनपद के सीखड़ विकास खंड के मंगरहॉ गांव निवासी 20 वर्षीय युवराज पुत्र शिव अचल और वाराणसी जिले के सरैया, सारनाथ निवासी आकाश पुत्र सुधीर सिंह की जान भी इसी तरह जा चुकी है। दस दिनों के बीच हुए तीन-तीन घटनाओं के बाद मिजार्पुर के जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार और नवागत कप्तान संतोष मिश्रा ने चूना दरी वाटर फॉल को अग्रिम आदेश तक बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही साथ वॉटर फॉल पर पुलिस टीम की भी तैनाती की गई है। यह भी अनुमान हैं कि तमाम वाटर फॉलों पर जहां सैलानियों की संख्या रविवार एवं अन्य बारिश के दिनों में ज्यादा होती हैं वहॉ भी पुलिस टीम को तैनात करने पर विचार किया जा रहा है।

संतोष कुमार गुप्ता बने राष्ट्रीय गौरक्षा वाहिनी के प्रदेश संयोजक

प्रखर चंदौली। जिले के राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी और प्रदेश कमेटी के निदेर्शानुसर भाजपा नेता संतोष कुमार गुप्ता (सांसद प्रतिनिधि) को उत्तर प्रदेश संयोजक बनाया गया है। प्रदेश कमेटी ने बताया की संतोष गुप्ता का पूर्वांचल में बहुत अच्छी पकड़ है और अधिकांश शोषित प्रताड़ित समूह के लोग संतोष गुप्ता जी को बहुत पसंद करते है। इस पद प्रतिष्ठा पाने के बाद संतोष कुमार गुप्ता जी ने बताया की पूरे उत्तर प्रदेश के प्रत्येक ज़िले में एक प्रतिनिधि मंडल सभी गौ शाला का निरीक्षण कर पूरी जानकारी जुटाकर उसी ज़िले के ज़िलाधिकारी महोदय को अपना रिपोर्ट सौंपेगा और कमी को अवगत कराएगा और उस कमी को पूरा होने पे पुनः मौके पे जाके जाँच करेगा। इसी तरह से गौ माता की देख रेख और समस्याओं से एक प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से भी मिलेगा और ब्योरा सौंपेगा। संतोष कुमार गुप्ता ने संगठन और संगठन के सभी पदाधिकारियों को हृदय से धन्यवाद दिया। और कहा कि अब गौ माता को राष्ट्रीय धरोहर का मान्यता मिलना ही चाहिए। इस मौके पर साथ में उपस्थित लोगों में प्रिन्स जयसवाल (प्रदेश प्रभारी), शुभम पाठक, सदाब, सुरेश गुप्ता और पारसनाथ जी थे।

संक्षिप्त खबरें

इंटरलॉकिंग सड़क के भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री एवं वाराणसी के लोकप्रिय सांसद आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के सौजन्य से "राजातालाब मण्डल" के जक्खिनी शक्तिकेंद्र अन्तर्गत ग्राम सभा सरैयां में कल्लू राम जी के मकान से काली माता के मंदिर तक 7.04 लाख रुपए की लागत से 154 मीटर इण्टर लाकिन्ग सडक का निर्माण कार्य के शीलापट्ट व भूमि पूजन महिला मोर्चा की क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व राजातालाब मण्डल की प्रभारी श्रीमती सुनीता सिंह जी एवं राजातालाब मण्डल के मण्डल अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार बिंद जी के द्वारा किया गया, साथ हीं बूथ अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद जी द्वारा नारियल फोड़वाकर पूजा कार्य पुरे विधि विधान से सम्पन्न हुआ और स्थानीय लोगों में प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान शिलापूजन कार्यक्रम में मछुआरा प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक राकेश बिंद जी, सेवापुरी मंडल के मण्डल अध्यक्ष यतीश तिवारी जी,मण्डल महामंत्री द्वय सत्येन्द्र सिंह नागउर्मी व सुजीत कुमार पाल जी, मण्डल उपाध्यक्ष सुनिल कुमार बहेलिया जी, मण्डल उपाध्यक्ष मुकेश सिंह जी, मण्डल उपाध्यक्ष अनिल कुमार पाण्डेय जी, शक्तिकेंद्र संयोजक द्वय राजदेव मौर्या जी व रमाशंकर पटेल जी व बलिकरन बिंद जी, बूथ अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद जी आदि भाजपा के सम्मानित कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहें।

कुबार्नी का पर्व ईद उल अजहा सम्पन्न, ईदगाह में अदा की विशेष नमाज

प्रखर चंदवक जौनपुर। इस्लामिक साल के आखिरी महीने में ईद–उल–अजहा का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस पर्व पर चंदवक थाना क्षेत्र में ईदगाह पर ईद की विशेष नमाज सामूहिक तौर पर अदा की गई. इस दौरान मौलाना नौशाद अहमद द्वारा ईदगाह में सुबह 7 बजकर 30 मिनट पर सामूहिक नमाज पर चंदवक हरिहरपुर मार्ग पर स्थित ईदगाह नमाज अदा की गई। वहीं नमाजियों ने खुदा की बारगाह में सर सजदे करते हुए, अमनचैन और खुशहाली की कामना की इस दौरान लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद उल अजहा की मुबारकबाद दी। सदर के.डी. अंसारी (पूर्व सैनिक)।

पत्रकार के भाई की मजलिस ए बरसी 13 जुलाई को

प्रखर जौनपुर। जिले के तेज तर्रार पत्रकार तामीर हसन शीबू के बड़े भाई आदिल ताज ताजवर की मजलिस ए बरसी 13 जुलाई को होगी। शहर के इमामबाड़ा मीर सखावत हुसैन मरहूम पोस्तीखाना ख्वाजा दोस्त में रात आठ बजे होने वाली है इस मजलिस के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मजलिस की शुरूआत सोजखानी से की जाएगी। जिसे गौहर अली जैदी व उनके हमनवां साथी अंजाम देंगे। बाद मजलिस को खिताब करेंगे मौलाना हसन अकबर रन्नवी इसके बाद अंजुमन जाफरिया रजी. ताड़ताला नौहा मातम करेंगी। जिले के युवा पत्रकार तामीर हसन शिबू के बड़े भाई समाजसेवी का निधन पिछले वर्ष 24 जुलाई को सीढ़ी से गिरने से हो गया था।जिसमे उनके सर में क्लाटिंग हो गई थी।आनन फानन में उन्हें बीएचयू ट्रामा सेंटर ले जाया गया।वहां चिकित्सकों के अथक प्रयास के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका और उनका निधन हो गया। पत्रकार के भाई ने अपने पीछे चार बच्चों को छोड़ रखा है, जिसमें दो बेटी और दो जुड़वा बेटे शामिल हैं। पत्रकार तामीर हसन शीबू ने मजलिस में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

बसपा नेता के आवास पर ईद उल अजहा मिलन समारोह का हुआ आयोजन

प्रखर चंदौली। जिले के मुगलसराय स्थित बसपा नेता इरशाद अहमद बबलू के आवास पर ईद उल अजहा मिलन समारोह का हुआ आयोजन। आयोजन में इरशाद अहमद ने कहा कि इस्लाम धर्म के प्रमुख पैगंबरों में से हजरत इब्राहिम एक थे. इन्हीं की वजह से कुबार्नी देने की परंपरा शुरू हुई. बकरीद के दिन जिस बकरे की कुबार्नी दी जाती है उसे तीन भागों में बांटा जाता है. इसमें एक हिस्सा रिश्तेदारों, दोस्तों और पड़ोसियों को दिया जाता है. वहीं एक हिस्सा गरीबों और जरूरतमंदों को दिया जाता है,और तीसरा परिवार के लोगों को दिया जाता है।कहा कि कुबार्नी के इस दिन गरीबों को दान दें और जरूरतमंदों की मदद करें। चंद्रेश्वर जयसवाल ने अपने संदेश में कहा कि ईद-उल-अजहा त्याग और ईश्वर के प्रति समर्पण का त्योहार है। यह मानव कल्याण, सेवा और जरूरतमंदों की सहायता की प्रेरणा देता है। मिलन समारोह के मौके पर बसपा पूर्व जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार,चंदेश्वर जयसवाल, सपा नेता चंद्रशेखर यादव, कांग्रेस नेता तौसीफ अहमद, राकेश बहादुर सिंह, रामजी गुप्ता, अर्शी सलाम, महेंदर, सैफ, प्रिंस कपूर , चंदन कुमार, सरदार कुलदीप सिंह और तमाम लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं